सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹ 02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, सोमवार, 16 जून, 2025
वर्षः 02, अंकः 166, पृष्ठः 8+4

ईरान में सुरक्षित जगहों पर पहुंचाए जा रहे हैं भारतीय स्टूडेंट

» Pg 12

इनसाइड सीएमओ साहब तो बड़े वाले निकले... » Pg 03

संदलपुर में बन रहे मड़ौली जैसे हालात!

कानपुर देहात : ग्राम सभा की बेशकीमती विवादित जमीन पर किसी भी वक्त हो सकता खूनी संघर्ष

» मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। मंगलपुर थाना क्षेत्र के संदलपुर गांव में जमीन के एक टुकड़े के लिए कागजी जंग अब खूनी संघर्ष की ओर बढ़ रही है। हालात मड़ौली कांड जैसे बनते जा रहे हैं। विवादित जमीन पर निर्माण कराने में पुलिस बढ़चढ़ कर भूमिका निभा रही है। स्थिति ये है कि विवादित जमीन में निर्माण का विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी डंडों से महिलाओं को पीटा गया और खास बात देखिए कि मार खाने के बाद भी महिलाओं की रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। इसकी वजह है कि दूसरा पक्ष रसूखदार और पूर्व प्रधान है। ऐसे में पुलिस पीड़ितों के साथ अपराधियों जैसा सलूक कर रही है। जिससे कि कानून व्यवस्था सवालों के घेरे में खडी हो गई है।

सिकंदरा तहसील क्षेत्र के संदलपुर कस्बा में ब्लाक के पास बेशकीमती जमीन पर पूर्व प्रधान की पहले से नजर थी। गांव के लालाराम ने बताया कि उक्त जमीन पर पुश्तैनी कब्जा है। उसमें गुमटी रखकर परिवार का भरण पोषण करता था। वर्ष 2017 में तत्कालीन प्रधान शाइना बेगम ने अपने देवर उवैश अहमद व परिवार के लोगों को पट्टा कर दिया था। नियमानुसार पट्टा गरीब और जरूरतमंद को होना चाहिए। प्रधान ने अपने देवरों को पट्टा किया उनके पास लाइसेंसी असलहे और पक्के मकान हैं। इसके बाद भी आवासी पट्टा दिया गया। मामले की शिकायत पर तत्कालीन डीएम के निर्देश पर तत्कालीन एसडीएम ने जांच की थी। जांच में पट्टा अवैध पाया गया था। मामला आयुक्त कानपुर की कोर्ट में चल रहा है। पुलिस व राजस्व कर्मियों की सांगठगांठ से पूर्व प्रधान विवादित ग्राम समाज की जमीन पर निर्माण करा रहा है। पुलिस कोई बात सुनने को तैयार नहीं है।

कठघरे में इंस्पेक्टर मंगलपुर की कार्रवाई

संदलपुर में ब्लाक के पास विवादित जमीन में निर्माण के विरोध पर लाठी डंडों से महिलाओं की खुलेआम पिटाई की थी। वहीं महिलाओं के साथ गए युवक जितेंद्र कुमार उर्फबबलू ने पेट्रोल डालकर आत्मदाह की कोशिश की थी। मामले में पुलिस ने जितेंद्र, कबीरूलहसन समेत पांच लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली जबकि पीड़ित पक्ष मार खाने के बाद भी अफसरों के यहां चक्कर काट रहा है। वीडियो और मेडिकल लिए पीड़ित पक्ष अफसरों को दिखाता घूम रहा है। मंगलपुर प्रभारी निरीक्षक खुलेआम आरोपियों के साथ खड़े नजर आ रहे हैं। उनकी एक पक्षीय कार्रवाई उन्हें कठघरे में खड़ा कर रही है।

जानिए क्या था मड़ौली कांड

ग्राम सभा की जमीन में निर्माण और कब्जे को लेकर दो पक्षों के बीच लंबे समय तक विवाद चलता रहा। इसके बाद कब्जा हटाने गई टीम के सामने मां बेटी की झोपड़ी के अंदर जलकर मौत हो गई थी। मामले में पुलिस और राजस्व विभाग की भूमिका निष्पक्ष न होने से इतनी बड़ी घटना हुई थी। अगर समय रहते मजबूत कदम उठा लिए जाते तो मड़ौली कांड नहीं होता। अब ये ही हालात संदलपुर में है। वहां भी पुलिस और राजस्व विभाग के अफसरों की भूमिका ठीक नहीं है।

फिर सिसका केदारनाथ

जले हुए शव, राख में बदले सपने

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

केदारनाथ। हेलिकॉप्टर क्रैश में मारे गए सात यात्रियों में छह के शव जल चुके थे, जिनकी शिनाख्त भी मुश्किल था। धुंआ.. चीखें और राख केदारनाथ की शांत घाटी एक बार फिर चीख उठी। 23 महीने की मासूम काशी, फैशन डिजाइनिंग की छात्रा तुष्टि, अपने बच्चों के इंतजार में लौट रहे विक्रम, और दो महीने पहले जुड़वा बच्चों के पिता बने पायलट, सबकी यात्राएं वहीं थम गईं। मां की जिद पर नानी संग गई तुष्टि अब कभी वापस नहीं आएगी। धुएं और राख के बीच 44 जवानों ने सात जले हुए शवों को उठाया, लेकिन जख्म इतने गहरे हैं कि पूरा केदारनाथ फिर से सिसक पड़ा है।

अमित शाह साध गए जातीय समीकरण

केशव प्रसाद मौर्य को मित्र बताकर बड़ा राजनीतिक मैसेज दे गए अमित शाह

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ में अमित शाह और योगी आदित्यनाथ की संयुक्त उपस्थिति राजनीतिक महत्व रखती है। शाह ने योगी की तारीफकरते हुए पारदर्शी पुलिस भर्ती प्रक्रिया की सराहना की और सपा पर निशाना साधा। केशव प्रसाद मौर्य को मित्र कहकर शाह ने दोनों नेताओं के बीच बेहतर तालमेल का संदेश दिया, साथ ही जातीय समीकरण को भी संतुलित करने का प्रयास किया गया।

लोकसभा चुनाव 2024 के बाद पहली बार रविवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ एक मंच पर एक साथ सार्वजनिक रूप से नजर आए। लखनऊ में रविवार को यूपी पुलिस भर्ती के

नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करने आए अमित शाह ने सीएम योगी के कामों की तारीफकी, तो डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को अपना 'मित्र' बताकर दोनों नेताओं के बीच बेहतर सियासी तालमेल का संदेश दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को लखनऊ के वृंदावन योजना सेक्टर 18 स्थित डिफेंस एक्स्पो ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में 60244 नवनियुक्त पुलिस कार्मिकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए।

जातीय और क्षेत्रीय बैलेंस साधने की कवायद

नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम के दौरान मंच पर 15 चयनित अभ्यार्थियों को बुलाकर अमित शाह ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा। मंच पर जिस तरह से अलग-अलग जातियों और यूपी के अलग-अलग क्षेत्र के लोगों को बुलाकर नियुक्ति पत्र दिए हैं, उसके जरिए जातीय और क्षेत्रीय संतुलन साधने के लिहाज से देखा जा रहा है। मंच पर ठाकुर, ब्राह्मण, सैनी, कुशवाहा, दलित, यादव, शाक्य, गौंड, पासी और मुस्लिम समुदाय से पुलिस में नियुक्त हुए अभ्यर्थी को अमित शाह ने ज्वाइनिंग लेटर सौंपा।

फिर से बढ़ाई गई फ्री आधार कार्ड अपडेट की तारीख

10 साल या इससे पुराना आधार कार्ड है उन्हें पहचान और एड्रेस प्रूफ के साथ अपने आधार को अपडेट करना होगा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। सरकार की ओर से कहा गया है कि जिनके पास भी 10 साल या इससे पुराना आधार कार्ड है उन्हें पहचान और एड्रेस प्रूफ के साथ अपने आधार को अपडेट करना होगा यानी यदि आपके पास 10 साल पुराना आधार कार्ड है और इस अवधि में एक बार भी आधार अपडेट नहीं हुआ है तो आपको अपडेट कराना होगा।यूआईडीएआई ने एक बार फिर देश के करोड़ों आधार कार्ड धारकों को बड़ी राहत दी है।

आधार कार्ड में डॉक्यूमेंट अपलोड की आखिरी तारीख को अब एक साल के लिए बढ़ा दिया गया है। पहले डॉक्यूमेंट के साथ फ्री आधार अपडेट की आखिरी तारीख 14 जून 2025 थी लेकिन अब इसे 14 जून 2026 कर दिया गया है। इसकी जानकारी यूआईडीएआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करके दी है।

किनके लिए जरूरी है डॉयूमेंट के साथ आधार अपडेट-

सरकार की ओर से कहा गया है कि जिनके पास भी 10 साल या इससे पुराना आधार कार्ड है उन्हें पहचान और एड्रेस प्रूफ के साथ अपने आधार को अपडेट करना होगा यानी यदि आपके पास 10 साल पुराना आधार कार्ड है और इस अवधि में एक बार भी आधार अपडेट नहीं हुआ है तो आपको अपडेट कराना होगा नहीं तो आपका आधार कार्ड रद्द भी हो सकता है।

आधार अपडेट के लिए इन डॉयूमेंट की होगी जरूरत-

आधार अपडेट के लिए आपको दो जरूरी डॉक्यूमेंट की जरूरत होगी। पहला पहचान पत्र और दूसरा एड्रेस प्रूफ।

आमतौर पर आधार अपडेट के लिए आधार सेंटर पर 50 रुपये का शुल्क लगता है लेकिन यूआईडीएआई के मुताबिक 14 जून 2026 तक यह सेवा फ्री है। पहचान पत्र के तौर पर आप पैन कार्ड और एड्रेस के लिए वोटर कार्ड दे सकते हैं।

20 से कम छात्रों वाले परिषदीय स्कूल होंगे मर्ज

नजदीकी विद्यालय से की जाएगी पेयरिंग, पत्र वायरल होने के बाद शिक्षक समूहों में बढ़ी हलचल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। जनपद में उन परिषदीय विद्यालयों की पहचान शुरू कर दी गई है जिनमें छात्र नामांकन संख्या 20 या उससे कम है। अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ की अध्यक्षता में 13 जून को आयोजित एक ऑनलाइन बैठक के बाद जिला प्रशासन ने इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

सबसे पहले सुनील दत्त जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मथुरा जोकि पूर्व में कानपुर देहात में भी रह चुके हैं द्वारा पत्र जारी किया गया है, जिसके अनुसार ऐसे सभी विद्यालयों को चिन्हित कर उनके मर्जर (विलय) या निकटवर्ती विद्यालयों के साथ पेयरिंग का प्रस्ताव 16 जून 2025 तक अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने करने का सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया गया है। बैठक में महानिदेशक स्कूल शिक्षा उत्तर प्रदेश, मंडलायुक्त, जिलाधिकारी मथुरा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में यह निर्णय लिया गया है। सभी जनपदों में इसे लागू किया जाना है। शिक्षा की गुणवत्ता, संसाधनों के समुचित उपयोग और प्रशासनिक सुविधा को ध्यान में रखते हुए ऐसे छोटे नामांकन वाले विद्यालयों को नजदीकी विद्यालयों के साथ समायोजित करने का निर्णय उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लिया गया है। जिला प्रशासन का मानना है कि इससे शिक्षकों के समुचित उपयोग, शैक्षिक माहौल के सुदृढ़ीकरण और संसाधनों की बचत में मदद मिलेगी हालांकि इससे प्रभावित होने वाले विद्यालयों की संख्या और उनकी भौगोलिक स्थिति को लेकर शिक्षकों एवं ग्रामीण अभिभावकों में मिश्रित प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।सूत्रों के अनुसार मर्जर प्रक्रिया में यह भी ध्यान रखा जाएगा कि विद्यार्थियों को आने-जाने में असुविधा न हो और उनका शिक्षण प्रभावित न हो। इसके लिए समेकित स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता को प्राथमिकता दी जाएगी। गौरतलब है कि प्रदेश में बड़ी संख्या में ऐसे विद्यालय हैं जहाँ नामांकन अपेक्षा से काफी कम है जबकि शिक्षकों की तैनाती और संसाधन खर्च अपेक्षाकृत बहुत अधिक हैं। शिक्षा विभाग लंबे समय से विद्यालयों के समेकन की योजना पर काम कर रहा है और यह निर्देश उसी दिशा में एक ठोस कदम माना जा रहा है। शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि इसमें किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। ऐसे में खंड शिक्षा अधिकारी तय समय-सीमा में यह प्रक्रिया पूर्ण करें इसके लिए जिला बेसिक शिक्षा कार्यालय सतर्कता से निगरानी कर रहा है।

सीएमओ साहब तो बड़े वाले निकले...!

» सीएमओ के बचाव में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने भेजी बचाव के लिए चिटठी

» डीएम ने स्वास्थ्य सेवाओं में मनमानी और लापरवाही को लेकर सीएमओ के खिलाफ शासन को भेजा था डीओ लेटर

कानपुर डीएम और सीएमओ प्रशासनिक विवाद चरम पर पहुंचा

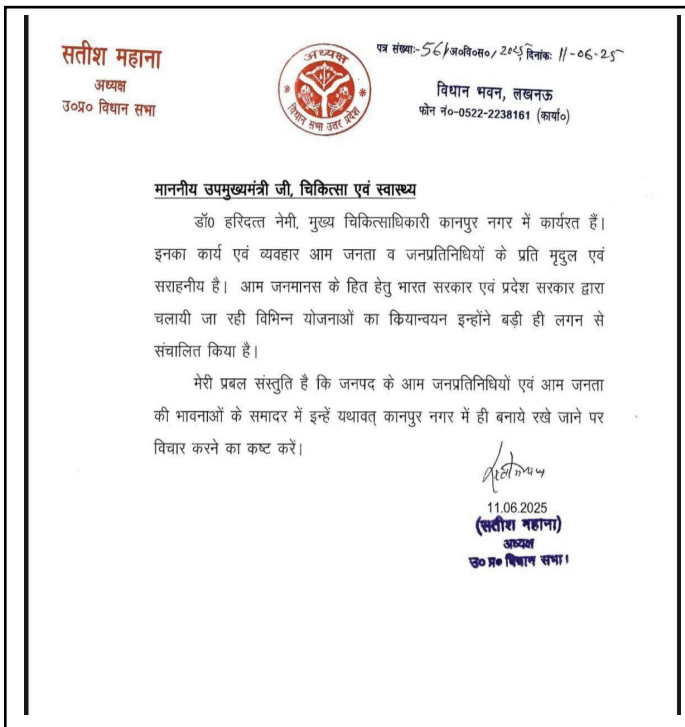

सतीश महाना
अध्यक्ष
उ०प्र० विधान सभा

पत्र संख्या:- 561/अ०वि०स०/2025 दिनांक: 11-06-25

विधान भवन, लखनऊ
फोन नं०-0522-2238161 (कार्या०)

माननीय उपमुख्यमंत्री जी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य

डॉ० हरिदत्त नेमी, मुख्य चिकित्साधिकारी कानपुर नगर में कार्यरत हैं। इनका कार्य एवं व्यवहार आम जनता व जनप्रतिनिधियों के प्रति मृदुल एवं सराहनीय है। आम जनमानस के हित हेतु भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं का कियान्वयन इन्होंने बड़ी ही लगन से संचालित किया है।

मेरी प्रबल संस्तुति है कि जनपद के आम जनप्रतिनिधियों एवं आम जनता की भावनाओं के समादर में इन्हें यथावत् कानपुर नगर में ही बनाये रखे जाने पर विचार करने का कष्ट करें।

11.06.2025
(सतीश महाना)
अध्यक्ष
उ० प्र० विधान सभा।

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना का पत्र

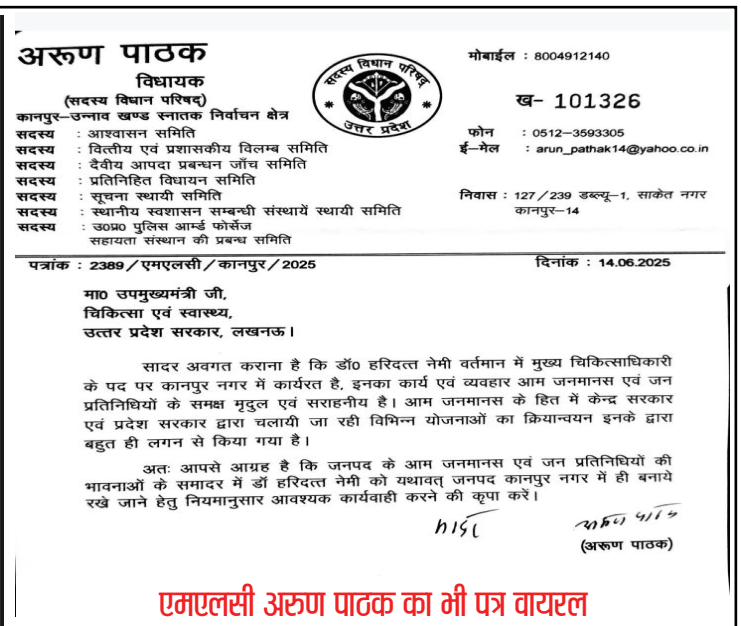

अरूण पाठक
विधायक
(सदस्य विधान परिषद्)
कानपुर–उन्नाव खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र

सदस्य : आश्वासन समिति
सदस्य : वित्तीय एवं प्रशासकीय विलम्ब समिति
सदस्य : दैवीय आपदा प्रबन्धन जाँच समिति
सदस्य : प्रतिनिहित विधायन समिति
सदस्य : सूचना स्थायी समिति
सदस्य : स्थानीय स्वशासन सम्बन्धी संस्थायें स्थायी समिति
सदस्य : उ0प्र0 पुलिस आर्म्ड फोर्सेज सहायता संस्थान की प्रबन्ध समिति

मोबाईल : 8004912140
ख- 101326
फोन : 0512–3593305
ई–मेल : arun_pathak14@yahoo.co.in
निवास : 127/239 डब्ल्यू–1, साकेत नगर कानपुर–14

पत्रांक : 2389/एमएलसी/कानपुर/2025 दिनांक : 14.06.2025

मा0 उपमुख्यमंत्री जी,
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य,
उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ।

सादर अवगत कराना है कि डॉ0 हरिदत्त नेमी वर्तमान में मुख्य चिकित्साधिकारी के पद पर कानपुर नगर में कार्यरत है, इनका कार्य एवं व्यवहार आम जनमानस एवं जन प्रतिनिधियों के समक्ष मृदुल एवं सराहनीय है। आम जनमानस के हित में केन्द्र सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन इनके द्वारा बहुत ही लगन से किया गया है।

अतः आपसे आग्रह है कि जनपद के आम जनमानस एवं जन प्रतिनिधियों की भावनाओं के समादर में डॉ हरिदत्त नेमी को यथावत् जनपद कानपुर नगर में ही बनाये रखे जाने हेतु नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने की कृपा करें।

(अरूण पाठक)

एमएलसी अरुण पाठक का भी पत्र वायरल

सीएमओ डॉक्टर हरिदत्त नेमी का व्यवहार जनता के प्रति अच्छा रहा है एवं शासन के द्वारा स्वास्थ्य संबंधी जो भी योजनाएं चलाई जा रही हैं वो लगातार जनता के बीच पहुंच रही हैं कुछ इस तरह का लेटर पैड एमएलसी अरुण पाठक के लेटर पैड द्वारा वायरल हो रहा है।

मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। डीएम कानपुर जितेंद्र प्रताप सिंह ने तैनाती के बाद से कई विभागों में दनादन निरीक्षण कर 'पानी' भर दिया। विभागों की खामियों को सुधारने के लिए पत्र भी जारी किए। डीएम की सख्ती की खबरें मीडिया में सुर्खियां लगातार बन रही थीं और जनता के बीच डीएम की लोकप्रियता भी देखी गई। डीएम ने जिले की स्वास्थ्य सेवाएं सुधारने के लिए कई बार औचक निरीक्षण किए और सीएमओ को कई कडे चेतावनी वाले पत्र भेजे। डीएम की सख्ती को लेकर सीएमओ रडार पर आ गए तो वह डीएम को सबक सिखाने के लिए मैदान में आ गए हैं।

बीते दिनों बताया जा रहा है कि एक सीएमओ की टेलीफोनिक बातचीत की रिकार्डिंग क्लिप वायरल हुई। इसमें डीएम के लिए सीएमओ द्वारा अपशब्द भाषा शैली के साथ कई बातें कही जा रही हैं। बात डीएम तक पहुंची तो उन्होने सीएमओ हरिदत्त नेमी को सीएम डैश बोर्ड की समीक्षा बैठक में खडा कर रिकार्डिंग को लेकर पूछा तो सीएमओ ने पल्लाझाडते हुए कह दिया कि मेरी रिकार्डिंग नहीं है, यह एआई से बनाई गई फर्जी क्लिप है। इससे नाराज डीएम ने कहा कि अगर फर्जी आडियो वायरल किया गया है तो एफआईआर करवानी चाहिए।इसपर सीएमओ कुछ नहीं बोले, इसके बाद डीएम ने सीएमओ को मीटिंग से बाहर जाने को कह दिया। वहीं, डीएम ने प्रमुख सचिव स्वास्थ्य को पत्र लिखकर सीएमओ को हटाने के साथ विभागीय जांच करने के लिए कहा है। यह पत्र मीडिया में वायरल हुआ तो सीएमओ खुलकर मैदान में आ गए। उन्होने दावा किया है कि डीएम के द्वारा जानबूझकर टारगेट किया जा रहा है, दागी फार्मा कंपनी का 1.60 करोड रूपए का भुगतान करने का दबाव है, वहीं, डीएम को मेरे विभाग के कुछ लोगों के द्वारा गुमराह किया गया है।इस प्रशासनिक घटनाक्रम की हलचल पूरे लखनउ सहित यूपी के कई जिलों में है। हालांकि, यह टकराव अब सत्ता के गलियारों तक पहुंच गया है। इसमें सीएमओ ने विक्टिम कार्ड खेलते हुए माहौल बनाना शुरू कर दिया है। कई नेताओं से लामबंदी करने में जुटे हुए हैं। देखना यह है कि इस लडाई में डीएम कानपुर जीतते या हैं सीएमओ, क्यों कि मामला काफी तूल पकड चुका है।

सीएमओ डॉ हरिदत्त नेमी

डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह

सीएमओ के लिए सतीश महाना ले लगाया 'वीटो'

डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह और सीएमओ हरिदत्त नेमी के बीच चल रहे विवाद में कानपुर के महाराजपुर विधानसभा से विधायक और वर्तमान में यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की इंट्री हुई है। 11 जून 2025 को सतीश महाना की चिटठी डिप्टी सीएम बृजेश पाठक को संबोधित जारी की गई है। इसमें कहा गया है कि सीएमओ का कार्य व्यवहार जनता-जनप्रतिनिधि के प्रति मृदु और सराहनीय है, लगन के साथ काम करने वाला बताया। महाना ने डिप्टी सीएम से आग्रह किया है कि जनभावनाओं के आधार पर हरिदत्त नेमी को कानपुर से न हटाया जाए उन्हे यथावत रखा जाए। हालांकि, डीएम सीएमओ विवाद से पूर्व चिटठी जारी होना दिखाया गया है लेकिन हकीकत कुछ और भी हो सकती है। फिलहाल प्रकरण काफी चर्चा का विषय बना हुआ है। जिस तरह से सीएमओ ने विधानसभा का वीटो कार्ड खेला है, इससे डीएम अलग-थलग पडते दिख रहे हैं। हालांकि, यह प्रशासनिक दृष्टिकोण से उचित नहीं लगता है।

स्वास्थ्य सेवाओं का बुरा हाल जगजाहिर

कानपुर के ग्रामीण इलाकों में बेहाल स्वास्थ्य सेवाएं जगजाहिर हैं। सीएचसी और पीएचसी में ग्रामीणों को उपचार नहीं मिलता है, डॉक्टर और कर्मचारी मनमाने ढंग से ड्यूटी करते हैं। कानपुर महानगर के अंदर तमाम नर्सिंग होम और अस्पताल खोल दिए गए, जिनमें सुरक्षा, स्वास्थ्य और अन्य इंतजाम नहीं है। इसपर डीएम ने लगाम कसने की कोशिश की। ऐसे में डीएम के द्वारा की सख्ती को सीएमओ ने दूसरे तरीके से ढाल बनाया। ऑडियो क्लिप में जिस तरह की 'ढोल बजाने वाला डीएम' जैसी शब्दावाली का प्रयोग किया जा रहा है, इससे समझा जा सकता है कि सीएमओ किस कदर डीएम से खुन्नस खाए हैं। सीएमओ ने जिस तरह से बचने के लिए नेताओं की शरण ली है, इससे प्रशासनिक सिस्टम कमजोर जरूर होगा।

‘OYO की आड़ में देह व्यापार, कल्याणपुर बना रेड लाइट एरिया’

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। कभी कच्ची शराब और देह व्यापार के लिए बदनाम रही कानपुर कल्यानपुर की सीटीएस बस्ती का चेहरा भले बदल गया हो, लेकिन यह अनैतिक कारोबार पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। यह गतिविधियाँ शहर के कल्याणपुर क्षेत्र में संचालित ओयो होटलों के अंदर गहराई से जड़ें जमा चुकी हैं। जिस प्रकार दिल्ली का जीबी रोड, कोलकाता का सोनागाछी और मुंबई का कमाठीपुरा वैश्यावृत्ति के लिए कुख्यात हैं, उसी तर्ज पर अब कानपुर के यह होटल नए अड्डे बनते जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, हर दिन सैकड़ों महिलाएं और युवतियाँ सुबह-सुबह होटलों में पहुंचकर अलग-अलग कमरों में क्लाइंट्स के साथ इस कारोबार में लिप्त हो जाती हैं। होटल कर्मचारी, मैनेजर, यहां तक कि सफाईकर्मी तक इस पूरे रैकेट का हिस्सा हैं।

- होटल बने सेक्स रैकेट के अड्डे, हर कमरे में चलता गोरखधंधा
- दलालों की पकड़ इतनी मजबूत, घरेलू महिलाएं और बच्चियां भी टारगेट पर
- पुलिस मौन, होटल मालिक लीज़ पर देते हैं देह व्यापार के लिए इमारत
- सीटीएस बस्ती से शिफ्ट होकर ओयो होटलों में पहुंचा अनैतिक कारोबार

होटल मालिक लीज पर दे रहे संपी, वैवाहिक सीजन में भी जारी रहता अनैतिक धंधा

हैरानी की बात यह है कि जिन होटलों का उपयोग वैवाहिक कार्यक्रमों और पारिवारिक समारोहों के लिए किया जाता है, उन्हीं का एक हिस्सा चौबीसों घंटे देह व्यापार के लिए भी आरक्षित रहता है।

सूत्रों का कहना है कि कई होटल मालिक अपने परिसर को लीज़ पर देकर आंखें मूंद लेते हैं, जबकि होटल संचालक और स्टाफ इस अनैतिक काम को सुचारु रूप से चलाते हैं। पुलिस की सक्रियता की कमी और ओयो फ्रेंचाइजी के नाम पर होटल के संचालन की स्वतंत्रता इस गोरखधंधे को प्रश्रय दे रही है। कल्याणपुर थाने पर लंबे समय से यह आरोप लगते आए हैं कि सीटीएस बस्ती से लेकर अब इन होटलों तक चल रहे इस देह व्यापार पर जानबूझकर कार्रवाई नहीं की जाती।

दलालों का बढ़ता प्रभाव, अब आम घरों की महिलाएं भी निशाने पर

अब यह मामला केवल सीमित महिलाओं तक नहीं रहा।

देह व्यापार से जुड़े दलाल अब आम घरों की महिलाओं और नाबालिग बच्चियों को भी पैसों का लालच देकर इस धंधे में धकेलने की कोशिश कर रहे हैं।

नतीजतन, कल्याणपुर क्षेत्र में अपराधों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। यदि स्थानीय प्रशासन और कानपुर पुलिस समय रहते कठोर जांच और कार्रवाई करें, तो एक बड़े सेक्स स्कैंडल का खुलासा संभव है। दैनिक स्वराज इंडिया इस खबर में किसी व्यक्ति विशेष की पहचान उजागर नहीं कर रहा, परंतु कानपुर पुलिस से आग्रह करता है कि ओयो के नाम पर चल रहे होटलों में हो रही अनैतिक गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाई जाए और दोषियों पर

विमान हादसे के मृतकों को दी गई श्रद्धांजलि

» अखिल भारतीय ओमर -ऊमर वैश्य युवजन संघ ने आयोजित किया कार्यक्रम

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। घंटाघर भारत माता प्रतिमा के समक्ष अहमदाबाद में हुएं हवाई दुर्घटना में जिसमें अपने देश एवं विदेश के यात्रियो की बहुसंख्या मृत्यु हो गयी थी। इस संन्दर्भ में अखिल भारतीय ओमर -ऊमर वैश्य युवजन संघ के तत्वावधान में इस दुखद घटना में मृत्यु हो गए आम जन को श्रद्धांजलि अर्पित कर एवं उनके परिजनों को हुए इस दुखद से में शांति प्रदान करने हेतु परमात्मा से प्रार्थना करती है इस दुर्घटना से अपना देश सहित संपूर्ण विश्व रतब्ध है मृतकों को श्रद्धांजलि आसान करने के साथ-साथ जो व्यक्ति घायलावस्था मे है वह शीघ्र स्वस्थ हो ऐसी भी प्रभू से प्रार्थना है सभी में प्रमुख रूप से महासभा राष्ट्र अध्यक्ष अजय गुप्ता, धर्म प्रकाश गुप्ता, रामप्रकाश ओमर, संदीप गुप्ता अनूप कुमार उर्फ (अन्नू), ज्ञान प्रकाश गुप्ता, डॉ श्याम बाबू गुप्ता डॉक्टर अंकित गुप्ता रसिक गुप्ता महिला परिषद राष्ट्र अध्यक्ष श्रीमती अंजना गुप्ता संगीता गुप्ता तूलिका ओमर युवराज राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवम गुप्ता तनिष्का गुप्ता निखिल गुप्ता अंकित गुप्ता सूचित गुप्ता रवी ओमर आयुश आदि उपस्थित रहे।

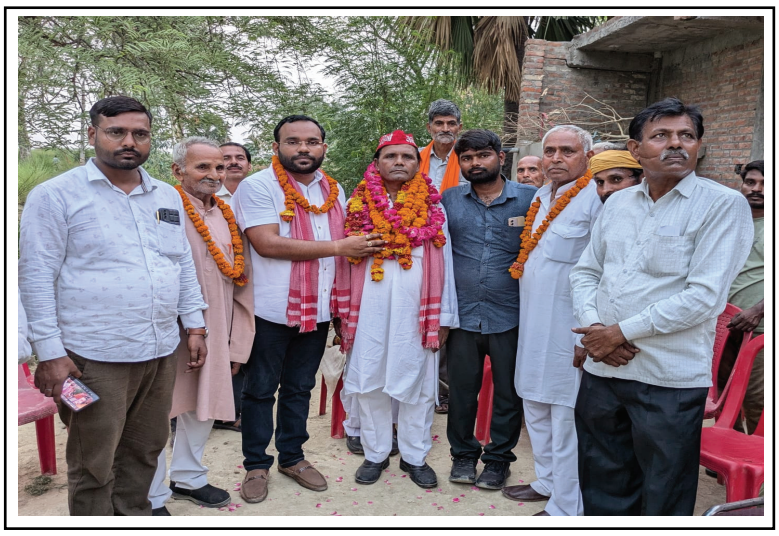

समाजवादी पार्टी ने रामकुमार गौतम को बनाया प्रदेश सचिव

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। समाजवादी बाबा साहबअंबेडकर वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष, संतोष कुमार जाटव ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की अनुमति से बिल्हौर के चौबेपुर, पचोर निवासी रामकुमार गौतम को प्रदेश सचिव नियुक्त किया है। मनोनयन की सूचना मिलते ही गांव में खुशी का माहौल रहा। विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव समेत पदाधिकारियों ने गौतम के घर पहुंचकर उनका माल्यार्पण व स्वागत किया। विनय यादव ने कहा है कि सपा पार्टी हर वर्ग के लोगों को जोड़ने का काम कर रही है। हम हर वर्ग के लोगों को संगठित कर 2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए काम करेंगे।

सम्पादकीय

आक्रामक इस्राइली कार्रवाई से भारी तबाही

सुनियोजित व ठोस खुफिया जानकारियों के साथ इस्राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों व शीर्ष सैन्य अधिकारियों पर बड़े सधे हमले किए हैं। ईरान के नतान्ज स्थित मुख्य परमाणु संवर्धन केंद्र को भी निशान बनाया गया। शुक्रवार की सुबह इस्राइल ने 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' के जरिये वायु रक्षा प्रणाली व मिसाइलों को ध्वस्त करते हुए ईरान के हवाई क्षेत्र में सैकड़ों लड़ाकू जहाजों के जरिये भारी तबाही मचायी। इस्राइली खुफिया एजेंसी मोसाद की बड़ी भूमिका वाले इस ऑपरेशन के जरिये न केवल ईरान की मिसाइल क्षमता को कमजोर किया बल्कि हवाई रक्षा प्रणाली को भी बेअसर किया। जिसके बाद इस्राइली एयरफोर्स ने ताबड़तोड़ हमलों से ईरानी वायुक्षमता को बेदम कर दिया। लंबी खुफिया तैयारी के साथ इस्राइल ने ईरान के भीतर विस्फोटक ड्रोन बेस स्थापित किए और शुक्रवार तड़के इन ड्रोन ने ईरान के सैन्य ठिकानों में तबाही मचा दी। जिससे ईरान को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इस्राइल ने ईरान के सुरक्षा प्रतिष्ठानों, सैन्य अधिकारियों और परमाणु कार्यक्रम से जुड़े वैज्ञानिकों व प्रमुख लोगों पर लंबी तैयारी के बाद सटीक हमले किए। कई बड़े अधिकारियों को उनके घरों में ही मार दिया गया। दरअसल, इस्राइल का मानना था कि ईरान परमाणु हथियार बनाने के करीब है। यहां तक कि परमाणु कार्यक्रम की निगरानी करने वाली संस्था आईएईए ने स्पष्ट शब्दों में ईरान पर परमाणु अप्रसार समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था। हमले में सेना प्रमुख के अलावा ईरानी सेना की सबसे ताकतवर शाखा रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के कमांडर हौसेन सलामी को भी मार डाला गया। हमले में न केवल यूरेनियम संवर्धन प्रतिष्ठान पर हमला किया गया, बल्कि कई परमाणु वैज्ञानिकों को भी मार दिया गया। ईरान ने इस्राइल पर नागरिक ठिकानों पर हमला करने के आरोप लगाए। उत्तर पूर्वी ईरान के अलावा नतांज परमाणु केंद्र पर भी धमाके सुने गए। जहां इस्राइल इन हमलों को अपने अस्तित्व को बचाने की कार्रवाई बता रहा है, वहीं ईरान जवाबी कार्रवाई कर शीघ्र बदला लेने की बात कर रहा है।वहीं दूसरी ओर इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान को चेताया है कि जब तक ईरान की ओर से खतरे की आशंका खत्म नहीं हो जाती, ये हमले आगे भी जारी रहेंगे। , जो उसके अस्तित्व के लिये चुनौती है। इस्राइल ने ईरान पर उसके क्षेत्र में सैकड़ों ड्रोन दागने के भी आरोप लगाये हैं।लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई ने अमेरिका व इस्राइल को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। दूसरी ओर ईरान के सरकारी मीडिया ने इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स कोर के कमांडर इन चीफ हौसैन सलामी सहित पांच शीर्ष सैन्य अधिकारियों की मौत की बात स्वीकारी है।

अमेरिका के पाकिस्तानी मोह में फंसने की तार्किकता

ज्योति मल्होत्रा

कमजोर आर्थिकी, छद्म लोकतंत्र और आतंकी हमलों के साजिशकर्ता देश के प्रति अमेरिका के प्रेम पर सवाल उठना स्वाभाविक है। दरअसल, अमेरिका की सोच है कि पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान की उपयोगिता भले कामों में बरतने के बजाय नुकसान पहुंचाने वालों से निबटने में अधिक है। पहले प्रशंसा व फिर सुरक्षा परिषद की दो प्रमुख समितियों में पाक को अहम ओहदे देना इसी रणनीति का अंग हो सकता है।ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ़ भारत द्वारा की गई सैन्य कार्रवाई के औचित्य को समझाने के वास्ते पिछले दो हफ़्तों में 40 से ज़्यादा भारतीय राजनेताओं और पूर्व राजनयिकों से बने सात प्रतिनिधिमंडल 33 देशों में भेजे गए, लेकिन गत 14 जून को वाशिंगटन डीसी में अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ पर आयोजित परेड में भाग लेने के लिए पाकिस्तान के सेना प्रमुख और अब फील्ड मार्शल जनरल असीम मुनीर को आमंत्रित किया गया।

इस बार की परेड में कुछ पुराना फौजी साजो-सामान 1991 के बाद पहली बार दिखा- 6,600 सैनिक, 28 अब्राम टैंक, 28 ब्रैडली लड़ाकू वाहन, 28 स्ट्राइकर वाहन, चार पैलाडिन सेल्फ-प्रोपेल्ड हॉवित्ज़र तोपें, आठ मार्चिंग बैंड, 24 घोड़े, दो खच्चर और एक कुत्ता - कुछ रॉकेट लॉन्चर और प्रिसिजन-गाइडेड मिसाइलें भी। इस रोज़ डोनॉल्ड ट्रंप का 79वां जन्मदिन भी था। इस बीच, सांसदों के सभी सातों प्रतिनिधिमंडल स्वदेश लौट आए और उन्होंने प्रधानमंत्री से मुलाकात की। लंदन, पेरिस, रोम, कोपेनहेगन, बर्लिन और ब्रसेल्स में यूरोपीय संघ के मुख्यालय की यात्रा पर गए भाजपा के रविशंकर प्रसाद ने लौटने पर संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने और उनके सहयोगियों ने इन सभी यूरोपीय शहरों में अपने वार्ताकारों को आतंकवाद के प्रति भारत की 'ज़ीरो टॉलरेंस' बारे बताया। प्रसाद ने कहा : 'हमने साफ कर दिया कि हम पाकिस्तान के लोगों के खिलाफ नहीं। समस्या पाकिस्तान के जनरलों से है, जिनसे खुद वहां के लोग भी तंग आ चुके हैं।' लगता है प्रसाद खबरों को ध्यान से नहीं पढ़ रहे हैं। दो दिन पहले ही वाशिंगटन डीसी में, यूएस सेंट्रल कमांड के शक्तिशाली कमांडर जनरल माइकल ई कुरिल्ला ने यूएस सीनेट सशस्त्र सेवाएं समिति को बताया कि पाकिस्तान एक 'खास साझेदार' है, खासकर आतंकवाद विरोधी मोर्चे पर।कुरिल्ला ने आगे कहा, 'मुझे नहीं लगता कि यह कोई बाइनरी स्विच जैसा होना चाहिए कि यदि हम भारत के साथ संबंध रखें, तब हमें पाकिस्तान के साथ (संबंध) नहीं रखने चाहिए।' इससे कुछ दिन पहले, कुरिल्ला के बॉस, डोनॉल्ड ट्रम्प ने भी घोषणा की थी, 'पाकिस्तान के पास बहुत मजबूत नेतृत्व है। कुछ लोगों को यह नागवार लगता है जब मैं ऐसा कहता हूं, लेकिन हुआ यही है, और उन्होंने उस युद्ध को रोक दिया। मुझे उन पर बहुत गर्व है। क्या मुझे श्रेय मिल रहा है? नहीं। वे मुझे किसी भी चीज़ का श्रेय नहीं दे रहे।'तब भारत और अमेरिका के बीच प्रसिद्ध 'रणनीतिक साझेदारी' का क्या बना? इसके अलावा, क्या भारत और पाकिस्तान के बीच हमें सख्त नापसंद 'हाइफ़नेशन'(दोनों को बराबर पलड़े में तोलना) फिर से बन गया है? बड़ा सवाल, बेशक, यह कि दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश अभी भी ऐसे मुल्क के मोहपाश में क्यों फंसा है, जिसकी अर्थव्यवस्था गहरे संकट में है (आईएमएफ से 25 ऋण ले रखे हैं), जो कहने भर का लोकतंत्र है और भारत में आतंकी हमलों का मास्टरमाइंड बना हुआ है, जिसमें नवीनतम कांड पहलगाम में हुआ दुर्दांत हमला है।लेकिन ट्रम्प ने आपसी व्यापार में लेन-देन में बराबरी रखने की अपनी प्रवृति के साथ दुनिया में उलटफेर कर दिया। पाकिस्तान को एक नयी राह की तरह देखा जाने लगा है। हिलेरी क्लिंटन ने 2012 में पाकिस्तान को लेकर दुविधा को बहुत भावुकता से व्यक्त किया था 'बात यह नहीं कि आपने पिछवाड़े में कितने सांप पाल रखे हैं।और क्या वे आपको नहीं डंस सकते'। एक बार फिर मामला है कि आप अमेरिकियों को एक-दो सांप ऐसे सौंप दें कि वे आपकी सपेरागिरी के कायल हो जाएं।यहां तीन कारण हो सकते हैं कि क्यों पश्चिमी देश पाकिस्तान के मोहपाश में फंसने को तैयार हैं -पहला, आतंकियों पर पाकिस्तान का निरंतर प्रभाव उसे एक कीमती मित्र बनाता है। हाल ही में, पाकिस्तान ने मोहम्मद शरीफुल्लाह 'जफ़र' सहित इस्लामिक स्टेट के पांच लड़ाके अमेरिकियों को सौंपे, जो 2021 में काबुल हवाई अड्डे के पास बम हमले में शामिल थे, जिसमें 13 अमेरिकी सैनिक मारे गए थे। तथ्य तो यह कि भले ही 'जफ़र' इस काबुल हमले का मास्टरमाइंड रहा हो, लेकिन वह आईएस के शीर्ष नेतृत्व में नहीं था।

मौन की भाषा से रची कालजयी कृतियां

अंर्तमन

सुचिता खन्ना

कलाकार और चिंतक बोलने के बजाय सुनने पर अधिक ध्यान देते हैं। वे जितने मौन रहते हैं, उनकी आंतरिक शक्तियां उतनी ही अधिक प्रबल होती हैं। यही कारण है कि कई कलाकारों की कलाकृतियां, धुनें, रचनाएं सदियों तक पृथ्वी पर अपनी उपस्थिति जमाए रखती हैं।

शब्द सुंदर लगते हैं, जीवन को गति देते हैं, ध्वनि देते हैं। दो लोगों के बीच शब्द ही एक ऐसी दूरी है जो उनके बीच पुल का काम करती है। क्या होता है जब दो लोग एक-दूसरे की भाषा से परिचित नहीं होते। ऐसे में मौन उनकी भाषा बनता है। मौन अत्यंत सशक्त भाषा है। जो मौन की शक्ति और भाषा को पहचान जाता है, वह स्वयं को मानवीयता के श्रेष्ठ शिखर पर स्थापित कर लेता है। अनेक ऋषि-मुनि मौन व्रत रखते हैं। कई मौनी बाबा भी होते हैं जो मौन रहकर अपनी शक्ति से आम लोगों को परिचित कराते हैं।

योग न केवल शरीर को निरोग रखता है, अपितु योग की अनेक प्रवृत्तियां व्यक्ति को सुख, शांति प्रदान करती हैं और उनकी छठी इंद्रिय को जाग्रत करती हैं।

नाद योग के अंतर्गत ध्वनि को अत्यंत शक्तिशाली उपकरण के रूप में देखा जाता है। नाद योग में ध्वनि और कंपन के माध्यम से तन-मन, शरीर और आत्मा संतुलित होते हैं। विभिन्न ध्वनियां जिसमें मौन भी शामिल है, शरीर के ऊर्जा केंद्रों को सक्रिय करती हैं। क्या आपने कभी मौन की भाषा को समझने का प्रयास किया है। कई बार जब दो लोग बातें करते-करते अनायास चुप हो जाते हैं, उनके बीच एक लंबी खामोशी पसर जाती है, एक विराम आ जाता है तो उस समय उस रिक्त स्थान पर मौन की उपस्थिति हो जाती है। यह अत्यंत शक्तिशाली माध्यम है। विश्व के सुप्रसिद्ध संगीतकार वोल्फगैंग अमाडेस मोजार्ट कहते हैं कि, 'किसी बात के मध्य का मौन उस बात के जितना ही महत्वपूर्ण होता है।' उन्होंने इस उद्धरण को स्वयं के साथ महसूस किया था। उनके दांपत्य जीवन को जोड़ने में मौन की भूमिका बेहद सशक्त रही। इसलिए वे मौन की शक्ति से परिचित थे। संगीतकार होने के कारण भी वह और उनकी प्रेमिका मौन के महत्व को जानते थे।मोजार्ट बचपन से ही प्रतिभा के धनी

थे। मात्र तीन साल की उम्र में ही उन्हें संगीत की समझ हो गई थी। पांच साल की उम्र में उन्होंने संगीत की रचना करनी आरंभ कर दी थी। आठ साल की उम्र में उन्होंने अपनी पहली सिम्फनी लिखी थी। वर्ष 1781 की एक सर्द शाम में उनकी नज़र एक युवती कॉन्सटैंज़ वेबर पर पड़ी। वह 19 वर्ष की गायिका थी। उसके घर में संगीत का वातावरण था। वह छोटी उम्र से ही संगीत का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही थी। कॉन्सटैंज़ को देखते ही मोजार्ट अपनी सुध-बुध खो बैठे। जब वह उनके सामने आई तो उनके मुख से शब्द ही नहीं निकले। एक मौन उन दोनों के बीच व्याप्त था। उस मौन की भाषा ने केवल उन्हें ही नहीं समझाया, अपितु उनके दिलों पर भी कब्जा कर लिया। जो बातें शब्द न कह पाए, वह मौन ने मुखर होकर कह दिया कि दोनों को एक-दूसरे से प्रेम हो गया है।

प्रेम की स्वीकृति मिलने पर दोनों के मन में शोर मचने लगा। निःशब्द शोर। ऐसा शोर जो चुप रहकर अपना काम करता है और बहुत तेजी से करता है। कई बार दोनों घंटों साथ रहते, उनके बीच शब्दों का आदान-प्रदान कम होता और मौन की भाषा उनके दिलों को आपस में जोड़ती जाती। आखिर मौन की शक्ति ने काम किया और दोनों विवाह के अटूट बंधन में बंध गए। दोनों का दांपत्य जीवन बेहद सुखद रहा। हालांकि, मोजार्ट की असमय मृत्यु से उनका दाम्पत्य जीवन लंबा नहीं रहा। मगर विवाह के बाद मोजार्ट ने अपने ओपेरा, 'द एबडक्शन फॉम द सेराग्लियो' और 'द मैरिज ऑफ फिगारो' से पूरी दुनिया में धूम मचा दी। मौन के साथ संबंधों में अधिक सुदृढ़ता कायम रहती है। जिन संबंधों में लोग मौन के साथ शब्दों का प्रयोग करते हैं, उनके संबंध अधिक सशक्त रहते हैं।जो व्यक्ति अपनी प्रभावशाली बातों से सबको मोहित कर लेता है, वह सब लोगों को अपने मोहपाश में जकड़ लेता है। वहीं कई बार ऐसे व्यक्ति जो बोलने के बजाय मौन पर अपना ध्यान केंद्रित करते हैं, वे प्रभावशाली बोलने वालों से अधिक योग्य और प्रतिभाशाली साबित होते हैं। मौन में ज्ञान निहित होता है। कलाकार और चिंतक बोलने के बजाय सुनने पर अधिक ध्यान देते हैं। वे जितने मौन रहते हैं, उनकी आंतरिक शक्तियां उतनी ही अधिक प्रबल होती हैं। यही कारण है कि कई कलाकारों की कलाकृतियां, धुनें, रचनाएं सदियों तक पृथ्वी पर अपनी उपस्थिति जमाए रखती हैं। यह सदैव याद रखें कि सशरीर कोई व्यक्ति अमर नहीं होता। उनके शब्द, प्रतिभा और व्यक्तित्व मृत्यु के साथ मिट जाते हैं। अमिट रह जाती हैं तो वे कलाकृतियां, धुनें और रचनाएं जो मौन के साथ जन्म लेती हैं और सदा के लिए अमर हो जाती हैं।

इसलिए यदि आपने अपने जीवन में अभी तक मौन का अभ्यास नहीं किया है, इसको नहीं समझा है तो समझिए क्योंकि यही मौन आपके व्यक्तित्व में चार चांद लगाएगा। आपके जीवन को सफल बनाएगा। आपके मौन की गूंज से जन्म लेने वाली स्थितियां और परिस्थितियां आगे चलकर अमर हो जाएंगी।

अगर आप भी भारत की विरासत को देखने और जानने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आपको बिहार जरूर घूमना चाहिए। बिहार की प्राचीन भूमि सिर्फ साम्राज्यों और ज्ञानोदय की जन्मस्थली नहीं, बल्कि आपको यहां पर ऐसी चीजें देखने को मिलेंगी, जो सदियों से स्थापित हैं।जब भी भारत में विरासत की बात की जाती है, तो सबसे पहले राजस्थान के किले और दिल्ली के फेमस स्मारकों की चर्चा सबसे ज्यादा होती है। लेकिन इन सबके बीच बिहार लोगों के दिमाग से निकल जाता है। अगर आप भी भारत की विरासत को देखने और जानने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आपको बिहार जरूर घूमना चाहिए। बिहार की प्राचीन भूमि सिर्फ साम्राज्यों और ज्ञानोदय की जन्मस्थली नहीं, बल्कि आपको यहां पर ऐसी चीजें देखने को मिलेंगी

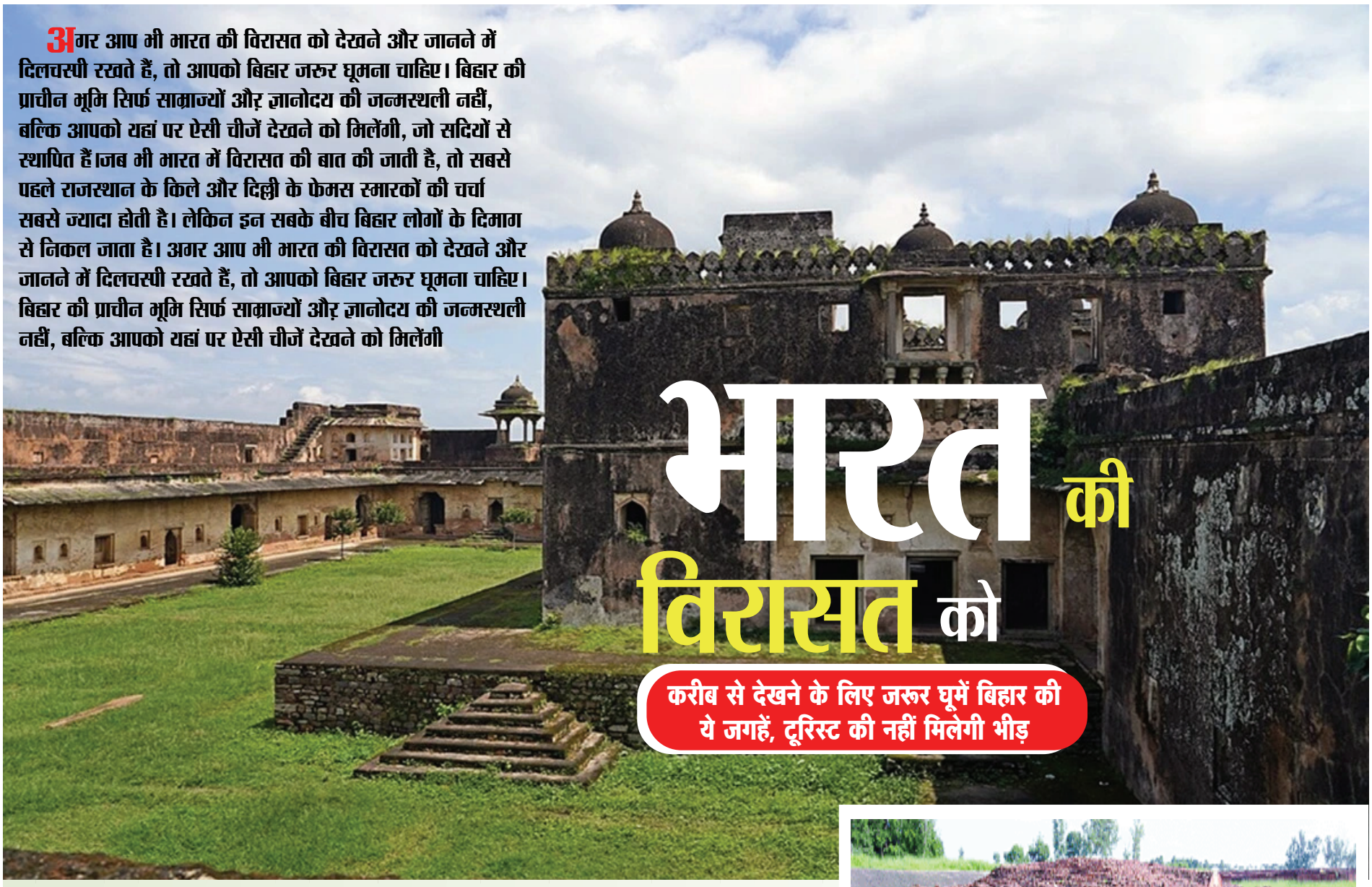

भारत की विरासत को

करीब से देखने के लिए जरूर घूमें बिहार की ये जगहें, टूरिस्ट की नहीं मिलेगी भीड़

तेलहरा बिहार में नालंदा जिले के एकंगरसराय प्रखंड का गांव है। यह प्राचीन भारत में एक बौद्ध मठ का स्थल हुआ करता था, जोकि पहली शताब्दी ईस्वी पूर्व का है। लेकिन इस जगह के बारे में भी बहुत कम लोगों को जानकारी है। भारत के इतिहास से जुड़ी कई चीजों को खोजने के लिए इस स्थान पर खुदाई चल रही है, ऐसे में आप भी यहां पर जा सकते हैं। इसके साथ ही बौद्ध मठ स्थल जाना न भूलें। यहां पर ध्यान कक्ष और प्रार्थना कक्ष में आपको काफी शांति मिलेगी।

रोहतासगढ़ किला

रोहतास जिले में एक पहाड़ी की चोटी पर रोहतासगढ़ किला स्थित है। यह किला काफी प्राचीन है, जिस कारण इसको भूतिया भी कहा जाता है।

रोहतासगढ़ किले का निर्माण शेरशाह शूरी ने कराया था।

यह बेहद विशाल किला है और रहस्यमय चीजों से भरा हुआ है। हालांकि इस किले तक पहुंचने के लिए आपको थोड़ी मेहनत जरूर करनी पड़ेगी। इस किले तक पहुंचने वाली चढ़ाई आपको थका देगी। जिन लोगों को घूमने-फिरने और एडवेंचर का शौक है, उनके लिए यह जगह परफेक्ट है। आपको यहां पर अकेले जाने की सलाह नहीं दी जाती है, क्योंकि स्थानीय लोग यहां पर भूत-प्रेत होने का दावा करते हैं।

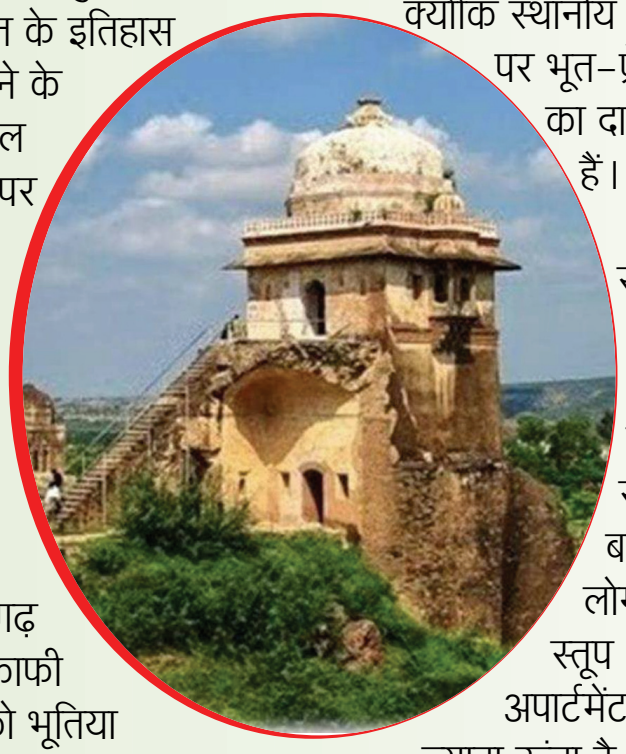

केसरिया स्तूप बिहार में मौजूद केसरिया स्तूप के बारे में काफी कम लोग जानते हैं। यह स्तूप 10 मंजिला अपार्टमेंट बिल्डिंग से भी ज्यादा ऊंचा है। 104 फीट ऊंचे इस स्तूप को दुनिया के सबसे बड़े बौद्ध स्तूपों में से एक है। अगर आप भारत के विरासत स्थलों को देखने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आपको यहां पर जरूर आना चाहिए। यहां पर आपको भीड़ भी नहीं मिलेगी, लेकिन आपको यहां पर गहरी आध्यात्मिक शांति जरूर मिलेगी, जोकि अन्य फेमस स्थानों पर नहीं मिल सकती है।

विक्रमशिला

बता दें कि विक्रमशिला महाविहार भारत का एक फेमस शिक्षा-केंद्र था। यह प्राचीन भारत के शीर्ष बौद्ध विश्वविद्यालयों में से एक था। हालांकि अब यह विश्वविद्यालय सिर्फ एक खंडहर के रूप में दिखाई देता है। वहीं कुछ समय पहले पीएम मोदी ने विक्रमशिला विश्वविद्यालय के उद्धार की बात की थी। ऐसे में अगर आप प्राचीन बौद्ध विश्वविद्यालय देखने के इच्छुक हैं, तो आप यहां पर आ सकते हैं।

सुरमई रातों की स्याह तिजारत, बिल्हौर में गुनाह की खामोश दस्तक

» नानामऊ तिराहे से लेकर रेलवे स्टेशन तक पसरा है एक डर और सन्नाटा

» माहौल हो रहा गंदा युवा हो रहे इसका शिकार

» सतर्क रहकर अपने बच्चों को बचाएं गंदगी से

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। इन दिनों बिल्हौर की गलियों में एक लड़की की चर्चा तेज़ है। छोटा कद, तेज़ बोलचाल और चाल में अजीब सा गुरूर। ये लड़की हर शाम एक नया चेहरा लेकर सड़कों पर दिखाई देती है। दिखने में तो आम है, लेकिन उसके आने-जाने का अंदाज़ और रहन-सहन कुछ और ही कहानी बयां करता है।

बताया जा रहा है कि वह किसी काम की तलाश में है, मगर हकीकत में वह ऐसा काम कर रही है जो न सिर्फ समाज के नियमों को तोड़ता है, बल्कि नौजवानों की सोच और भविष्य को भी बर्बाद कर रहा है। संदेह जताया जा रहा है इसके पीछे एक संगठित नेटवर्क है।

फोटो प्रतिकात्मक

सूत्र बताते हैं कि कई छात्र जो कभी किताबों में खोए रहते थे, अब उसके इशारों पर चलने लगे हैं। कुछ ने नशे की लत पकड़ ली है। कुछ बेकाबू और झगड़ालू हो गए। उनका ध्यान पढ़ाई-लिखाई से हटकर सिर्फ शौक और बर्बादी की ओर चला गया है।

होटलों-कमरों की चाहारदीवारी के पीछे बिखरते वाब

सूत्रों की माने तो इलाके के कई छोटे-बड़े होटलों में ये लड़की अलग-अलग लड़कों के साथ देखी जाती है। पहले दोस्ती, फिर मीठी बातें, और बाद में जो सौदा होता है वो सिर्फ शरीर का नहीं, इंसानियत का सौदा होता है।

बदबू जो अब हर गली में फैल रही है

ये धंधा अब पूरे कस्बे में धीरे-धीरे फैलता जा रहा है। कई युवा अब लत में पड़ गए हैं। सूत्रों की मानें तो ये लड़की बिल्हौर की रहने वाली नहीं है बल्कि किसी और जिले से आकर यहां लोगों की जिन्दगी में जहर घोल रही है।

स्वराज इंडिया अख़बार की अपील

स्वराज इंडिया सभी अभिभावकों से अपील करता है कि यदि आपका बेटा बिना कारण देर रात तक बाहर रहता है। यदि वह अचानक गुस्सैल या चुपचाप हो गया है। उसकी दिनचर्या में अचानक बदलाव आया है तो कृपया सतर्क हों। उससे संवाद करें। ज़रूरत हो तो परामर्श लें। गुनाह अकेले नहीं होता, चुप्पी भी उसका हिस्सा बन जाती है।संवेदनशील बनें, सजग रहें।

11 साल बेमिसाल पर भाजपा का जोर

प्रधानमंत्री मोदी की योजनाओं और योगदान पर वक्ताओं ने की चर्चा

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। भारतीय जनता पार्टी के11 साल बेमिसाल अभियान का शुभारंभ बिल्हौर नगर मंडल में भव्यता के साथ किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता रवि दीक्षित, मुख्य अतिथि पं0 कृष्ण मुरारी शुक्ला तथा डॉ. राजेंद्र कटियार विशेष रूप से मौजूद रहे।

वक्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीते 11 वर्षों के कार्यकाल को ऐतिहासिक और भारत के लिए गौरवशाली बताया। रवि दीक्षित ने कहा कि मोदी जी ने भारत को वैश्विक मंच पर मजबूत पहचान दिलाई है। देश की अर्थव्यवस्था को पांचवें स्थान तक पहुंचाने में उनकी भूमिका अहम रही है।

उन्होंने वन नेशन, वन इलेक्शन, हर घर आवास योजना, किसान समृद्धि योजना, ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों की सराहना करते हुए कहा कि ये योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने में कारगर रही हैं।

मुख्य अतिथि कृष्ण मुरारी शुक्ला ने कहा कि मोदी सरकार ने देश को मजबूत बुनियादी ढांचे से जोड़ा है। भारत को एक हाइवे नेटवर्क से जोड़ने का जो सपना था, वह आज हकीकत बन चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि

आगामी चुनावों में जनता एक बार फिर मोदी जी के नेतृत्व पर विश्वास जताएगी।

कार्यक्रम में पूर्व जिला उपाध्यक्ष जेपी कटियार,जिला मंत्री डॉ. राजेंद्र कटियार, मंडल अध्यक्ष पं0 सौरभ शर्मा, मंडल महामंत्री आदेश तिवारी, कार्यक्रम संयोजक राम प्रकाश, नरेंद्र मिश्रा, स्वप्नेश तिवारी, अभिषेक गुप्ता, अविरल कुशवाहा, मेराज अहमद, मनोज सैनी, रितेश गुप्ता, अमित तिवारी, समेत बूथ अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक, विभिन्न मोर्चा अध्यक्ष व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पेड़ पर हाई वोल्टेज लाइन! बिजली विभाग का जानलेवा 'जुगाड़'

» आम के पेड़ पर इंसुलेटर लगाकर दौड़ाई गई 11 हजार वोल्ट की लाइन

» बारिश में करंट से मौत तय, अधिकारी बोले जवाब तलब होगा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। बिजली विभाग की लापरवाही ने एक बार फिर ग्रामीणों की जान जोखिम में डाल दी है।

सिंगरसीपुर उपकेंद्र से जुड़ी हाईटेंशन लाइन को खंभे के बजाय आम के पेड़ पर इंसुलेटर लगाकर जोड़ दिया गया। ये 'जुगाड़ तकनीक' अब गांव वालों के लिए मौत का फंदा बन चुकी है। 11 हजार वोल्ट की लाइन से करंट पेड़ में उतरने का खतरा मंडरा रहा है, जिससे आम तोड़ने या बारिश में वहां से गुजरने वालों की जान कभी भी जा सकती है।यह खतरनाक लाइन कनेक्शन अनंतरामपुर बंबा और सिंगरसीपुर मोड़ के बीच आम के एक पेड़ पर किया गया है। ग्रामीणों संपत यादव, चंदा, धीरू, अनुज, ओंमकार और सिद्धू—का कहना है कि टूटी लाइन को ठीक करने के नाम पर विभाग ने पोल लगाने की जगह पेड़ को ही हाईटेंशन सपोर्ट बना दिया।

जिम्मेदारों की यह जल्दबाजी अब किसी बड़ी अनहोनी को दावत दे रही है।

या बोले जिमेदार अधिकारी?

पुखरायां के अधिशासी अभियंता आलोक प्रकाश ने माना कि पेड़ पर इंसुलेटर लगाना नियम विरुद्ध और बेहद खतरनाक है। उन्होंने कहा कि इस मामले में संबंधित जेई से जवाब तलब किया जाएगा और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

दबंग ग्राम प्रधान पर एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमा

» गंदगी हटाने की मांग पर प्रधान ने जातिसूचक गालियां देकर दी जान से मारने की धमकी

» पहले भी कई गंभीर मुकदमों में घिर चुका है भोगनीपुर का मौजूदा प्रधान

आरोपी ग्राम प्रधान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। अमरौधा ब्लॉक की ग्राम पंचायत भोगनीपुर के मौजूदा प्रधान अब्दुल अनीस मलिक पर गांव के दलित युवक कैलाश शंखवार ने गंभीर आरोप लगाते हुए SC/ST एक्ट में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित कैलाश का कहना है कि जब उसने बस्ती में फैली गंदगी को हटवाने और विकास कार्यों की मांग की तो प्रधान ने पुलिस कार्रवाई की धमकी दी, जातिसूचक शब्द कहे और जान से मारने की चेतावनी दी।

कैलाश ने इसकी शिकायत क्षेत्रीय अधिकारी संजय सिंह से की थी, जिनके आदेश पर भोगनीपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। ग्रामीणों के अनुसार, प्रधान लंबे समय से पूरे गांव में पुलिस के नाम पर दहशत फैलाता आ रहा है, जिसके चलते आम लोग खुलकर शिकायत तक नहीं कर पाते।

पहले से विवादों में घिरा है ग्राम प्रधान

मामले की गंभीरता इस वजह से भी बढ़ जाती है क्योंकि प्रधान अब्दुल अनीस मलिक पहले भी कई संगीन मामलों में आरोपी रह चुका है। मुस्लिम समुदाय के एक युवक द्वारा घर पर अवैध कब्जे की शिकायत, लेखपाल द्वारा सरकारी भवन गिराने का मामला और एक पत्रकार से मारपीट जैसे कई मुकदमे पहले ही उसके खिलाफ दर्ज हैं।

प्यास से बिलबिलाएं ग्रामवासी ठप्प पड़ा 'वाटर कूलर'

क्षेत्र पंचायत और ग्राम पंचायत की खींचतान में सालों से बंद पड़े हैं करोड़ों की लागत से लगे वाटर कूलर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भीषण गर्मी में जब तापमान 43 डिग्री के पार पहुंच चुका है, ग्रामीण इलाकों में प्यास बुझाने के लिए लोग तरस रहे हैं। सरकार की ओर से राहत के लिए लगाए गए वाटर कूलर अब परेशानी का सबब बन चुके हैं। क्षेत्र पंचायत निधि से खरीदे गए अधिकतर वाटर कूलर या तो खराब पड़े हैं, या गर्म पानी उगल रहे हैं, या करंट मार रहे हैं। जनता तो बेहाल है, मगर जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंदे बैठे हैं।विकास खंड रसूलाबाद की कई ग्राम पंचायतों—भवानीपुर सुनासी, मकरंदपुर कहिंजरी, मित्रसेनपुर, गोपालपुर, बड़ागांव कपराहट—में लगे कूलर बीते दो साल से मरम्मत की बाट जोह रहे हैं। भवानीपुर में 2020-21 में विश्वनाथ सिंह के दरवाजे लगा कूलर कभी शुरू ही नहीं हुआ। ग्रामीणों ने कई बार प्रधान और क्षेत्र पंचायत से शिकायत की, पर हर बार एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डाल दी गई।स्थिति यह है कि 90त्न से अधिक वाटर कूलर खराब हैं, मगर मरम्मत के नाम पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। डीपीआरओ विकास पटेल और अतिरिक्त प्रभारी बीडीओ रसूलाबाद से संपर्क की कोशिशें भी नाकाम रहीं। वहीं पंचायत अधिकारी जय प्रकाश ने सिर्फ इतना कहा कि मामले की जानकारी नहीं है, सचिवों को

निर्देश दिए गए हैं।भीषण गर्मी में यह लापरवाही ग्रामीणों के लिए जानलेवा बनती जा रही है। यह साफ दर्शाता है कि कैसे सरकारी योजनाओं में सिर्फ पैसे खर्च होते हैं, पर जिम्मेदारी शून्य रहती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

बेकाबू तेज़ रफ्तार इलेक्ट्रिक कार का कहर, दर्जनों लोग हुए घायल

पब्लिक की मदद से ड्राइवर गिरफ्तार

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। कानपुर शहर के कई थाना क्षेत्रों में शनिवार को एक तेज़ रफ्तार इलेक्ट्रिक कार ने तबाही मचा दी। मूलगंज, बादशाही नाका, कलेक्टर गंज और हरबंस मोहाल थाना क्षेत्र में कार ने एक के बाद एक कई लोगों को टक्कर मार दी, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार की रफ्तार इतनी तेज़ थी कि उसका एक टायर तक निकल गया, लेकिन फिर भी चालक ने कार नहीं रोकी।

हरबंस मोहाल थाना क्षेत्र के सुतर खाना रोड पर अंडे का ठेला लगाने वाले मनोज नामक व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है। मौके पर पहुंची पुलिस ने तुरंत सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया।

पब्लिक की सतर्कता और बहादुरी से कार को नरौना चौराहे में रोका जा सका, जहां चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले किया गया।

सूचना मिलते ही संबंधित थानों की पुलिस फोर्स नरौना चौराहे पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

पुलिस घटना की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कार चालक नशे में था या तकनीकी खराबी हादसे की वजह बनी।

होमगार्ड की धमकी, बोला जेसीबी से गिरवा दूंगा घर

» थाने-चौकी में अपने आदमी हैं, सगी विधवा चाची को प्रताड़ित कर रहा होमगार्ड

आरोपी होमगार्ड

संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। सचेंडी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सम्भरपुर निवासिनी विधवा महिला को उसके ही भतीजे ने नौकरी के रसूख के दम पर प्रताड़ित करना शुरू कर दिया है। पीड़िता शिवकली पत्नी स्व. रामनाथ ने सचेंडी थाना प्रभारी को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। शिवकली ने बताया कि उसके देवर का बेटा विनय कुमार उर्फ सोनू पुत्र स्व. राजकुमार, जो कि स्वयं को होमगार्ड विभाग का अफसर बताता है, ने दिनांक 12 जून 2025 को उसके घर पर जबरन कब्जा कर लिया और घर के सामने निर्माण कार्य शुरू कर दिया। महिला का आरोप है कि जब उसने विरोध किया तो विनय ने खुलेआम धमकी दी कि मैं थाना-चौकी का आदमी हूँ, जेसीबी मंगवाकर घर गिरवा दूंगा, चाहो जहां जाओ मेरा कुछ नहीं बिगड़ेगा।

पीड़िता का कहना है कि उसके पति की मृत्यु हो चुकी है और उसकी कोई संतान भी नहीं है। इसी वजह से विनय उनकी संपत्ति हड़पना चाहता है और नौकरी के प्रभाव का इस्तेमाल कर उन्हें डरा-धमका रहा है। शिवकली ने प्रशासन से इस मामले की निष्पक्ष जांच कर तत्काल कानूनी कार्रवाई की मांग की है, ताकि उसे न्याय मिल सके और एक सरकारी पद पर रहकर कोई अपने ही परिजनों के साथ अत्याचार न कर सके।

उमस भरी गर्मी के बीच ट्रेनों में उमड़ रही बंपर भीड़

कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर यात्रियों की उमड़ी भीड़ से हालत खराब

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। भीषण गर्मी और उमस के बावजूद ट्रेनों में सफर करने वालों की तादाद कम नहीं हो रही है। रविवार को कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर यात्रियों का भारी जमावड़ा देखने को मिला। स्टेशन के हर कोने में लोग बैठने की जगह तलाशते नज़र आए, जबकि प्लेटफॉर्म और सीढ़ियों पर भी भारी भीड़ उमड़ी रही।

त्योहारी सीज़न के बाद भी भीड़ कम होने का नाम नहीं ले रही है। फोटो में साफ देखा जा सकता है कि यात्री सीढ़ियों पर चढ़ने के लिए कतार में लगे हैं, कुछ फर्श पर बैठे हैं तो कई लोग वहीं जमीन पर लेटे हुए हैं। प्लेटफॉर्म पर खड़ी ट्रेन के आसपास भी यात्रियों की लंबी कतारें दिख रही हैं।

रेलवे प्रशासन द्वारा गर्मी के मौसम को देखते हुए विशेष व्यवस्थाएं किए जाने के दावे ज़रूर किए गए हैं, लेकिन ज़मीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। भारी भीड़ और बढ़ते तापमान के चलते यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय यात्रियों ने बताया कि कई ट्रेनों में आरक्षण के बावजूद भीड़ इतनी अधिक है कि बैठने तक की जगह नहीं मिल रही है। स्टेशन पर पेयजल और साफ़-सफ़ाई की व्यवस्था भी भीड़ के अनुपात में अपर्याप्त साबित हो रही है।

जहां एक ओर उमस और गर्मी से लोग बेहाल हैं, वहीं ट्रेनों में सफर की मजबूरी उन्हें इस चुनौतीपूर्ण सफर के लिए विवश कर रही है। ऐसे में रेलवे प्रशासन को यात्रियों की सुविधा और भीड़ नियंत्रण के लिए और अधिक सशक्त कदम उठाने की ज़रूरत है।

बदमाशों ने अधेड़ को मारी गोली, घायल

इलाके में पुलिस पेट्रोलिंग पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। नगर कोतवाली इलाके के असेनी क्षेत्र में रविवार की शाम करीब 7:30 बजे एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहाँ अज्ञात बदमाशों ने नगर कोतवाली के ही आवास विकास कॉलोनी निवासी अंशुमान पर अवैध तमंचे से फायर कर दिया। तमंचे से निकलीं गोली सीधे अंशुमान के बाएं हाथ में जा धंसी, जिससे वह बुरी तरह जख्मी हो गए। इस घटना ने इलाके में हड़कंप मचा दिया है और पुलिस पेट्रोलिंग पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गोली मारने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। घायल अंशुमान ने तुरंत अपने दोस्त को फोन कर घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही दोस्त मौके पर पहुंचा और अंशुमान को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहाँ उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के मुताबिक, अंशुमान की हालत स्थिर है, लेकिन उन्हें गोली लगने से गहरा जख्म हुआ है।

गोली मारने से पहले पूछा नाम, पुलिस हरकत में

अंशुमान ने पुलिस को बताया कि हमलावरों ने गोली चलाने से पहले उनका नाम पूछा और फिर बिना किसी स्पष्ट कारण के गोली चला दी। इस तरह की वारदात ने स्थानीय निवासियों में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। दिनदहाड़े इस तरह की घटनाएँ बदमाशों के बुलंद हौसलों को दर्शाती हैं।

कोतवाल ने टीमों का किया गठन, जल्द खुलासे का दावा

इस सनसनीखेज वारदात की सूचना मिलते ही नगर कोतवाली पुलिस तत्काल हरकत में आ गई। एसपी बाराबंकी अर्पित विजयवर्गीय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित कर दी हैं। पुलिस हर पहलू से गहनता से जांच कर रही है और सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ-साथ मुखबिरों को भी सक्रिय कर दिया गया है। नगर कोतवाल रामकिशन राणा ने आश्वस्त किया है कि पुलिस जल्द ही हमलावरों को गिरफ्तार कर पूरे मामले का खुलासा करेगी और उन्हें कानून के दायरे में लाएगी।इस घटना ने एक बार फिर जिले में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर चिंता बढ़ा दी है, खासकर शहरी इलाकों में। पुलिस के सामने अब जल्द से जल्द अपराधियों को पकड़ने और जनता में विश्वास बहाल करने की चुनौती है।

बाराबंकी के शिक्षा विभाग में बड़ा फेरबदल

» जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार देव पांडेय ने आठ खंड शिक्षा अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में किया बदलाव

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। बेसिक शिक्षा विभाग में प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार देव पांडेय ने आठ खंड शिक्षा अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। यह बदलाव महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं समग्र शिक्षा अभियान के निर्देश और जिलाधिकारी बाराबंकी के अनुमोदन के बाद किया गया है।

नई तैनाती के तहत सुनील कुमार को देवा ब्लॉक की जिम्मेदारी दी गई है। राम नारायण को देवा से त्रिवेदीगंज भेजा गया है। धर्मेन्द्र प्रसाद को त्रिवेदीगंज से हैदरगढ़ स्थानांतरित किया गया है। जैनेन्द्र कुमार को नगर क्षेत्र से मसौली भेजा गया है।

अर्चना को हरख से नगर क्षेत्र में स्थानांतरित किया गया है। उन्हें अतिरिक्त मुख्यालय का प्रभार भी सौंपा गया है। फिजा मिर्जा को मसौली से सिरौलीगौसपुर भेजा गया है। अश्विनी प्रताप सिंह की तैनाती मुख्यालय से हरख में की गई है। अशोक कुमार गुप्ता को लखनऊ स्थित राज्य परियोजना कार्यालय से मुख्यालय बाराबंकी में तैनात किया गया है।बीएसए ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे बिना विलंब नए कार्यक्षेत्र में योगदान करें। उन्होंने कार्यभार ग्रहण करने के बाद तत्काल कार्यालय को सूचित करने को कहा है। इस बदलाव की प्रक्रिया को समयबद्ध और प्रभावी तरीके से लागू करना अनिवार्य है।

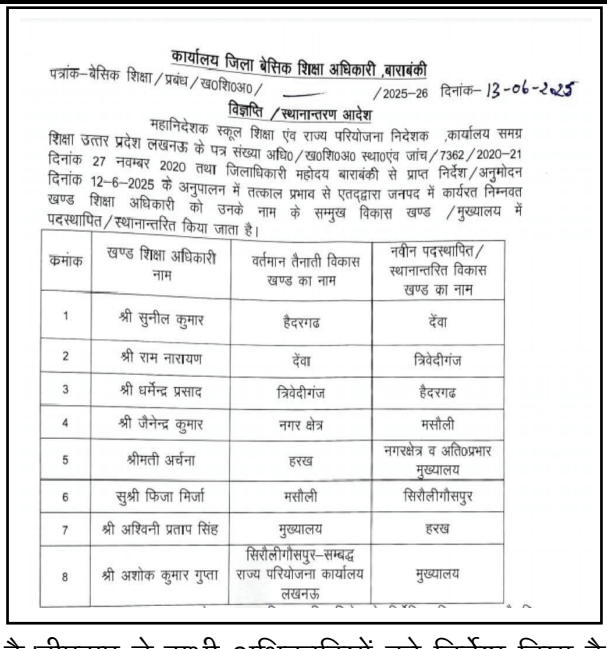

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ,बाराबंकी

पत्रांक-बेसिक शिक्षा/प्रबंध/ख0शि0अ0/ ——— /2025-26 दिनांक- 13-06-2025

विज्ञप्ति /स्थानान्तरण आदेश

महानिदेशक स्कूल शिक्षा एंव राज्य परियोजना निदेशक ,कार्यालय समग्र शिक्षा उत्तर प्रदेश लखनऊ के पत्र संख्या अधि0/ख0शि0अ0 स्था0एंव जांच/7362/2020-21 दिनांक 27 नवम्बर 2020 तथा जिलाधिकारी महोदय बाराबंकी से प्राप्त निर्देश/अनुमोदन दिनांक 12-6-2025 के अनुपालन में तत्काल प्रभाव से एतद्द्वारा जनपद में कार्यरत निम्नवत खण्ड शिक्षा अधिकारी को उनके नाम के सम्मुख विकास खण्ड /मुख्यालय में पदस्थापित/स्थानान्तरित किया जाता है।

कमांक	खण्ड शिक्षा अधिकारी नाम	वर्तमान तैनाती विकास खण्ड का नाम	नवीन पदस्थापित/स्थानान्तरित विकास खण्ड का नाम
1	श्री सुनील कुमार	हैदरगढ	देंवा
2	श्री राम नारायण	देंवा	त्रिवेदीगंज
3	श्री धर्मेन्द्र प्रसाद	त्रिवेदीगंज	हैदरगढ
4	श्री जैनेन्द्र कुमार	नगर क्षेत्र	मसौली
5	श्रीमती अर्चना	हरख	नगरक्षेत्र व अति0प्रभार मुख्यालय
6	सुश्री फिजा मिर्जा	मसौली	सिरौलीगौसपुर
7	श्री अश्विनी प्रताप सिंह	मुख्यालय	हरख
8	श्री अशोक कुमार गुप्ता	सिरौलीगौसपुर-सम्बद्ध राज्य परियोजना कार्यालय लखनऊ	मुख्यालय

श्रीराम की नगरी में 'चालान राज' के बहाने लूटतंत्र का उभार

» भगवान के नाम पर जुटी भीड़ को एमएस कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड ने बनाया 'कमाई का साधन'

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। योगी आदित्यनाथ जिस अयोध्या को दुनिया की सांस्कृतिक राजधानी बना रहे हैं, उसी अयोध्या में आज कुछ अधिकारी उसे चालान राजधानी में बदलने पर तुले हैं। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी की भव्य कल्पना को ज़मीनी भ्रष्टाचार ने जकड़ लिया है, और नगर निगम अयोध्या उसमें अगुवाई करता दिख रहा है। श्रीराम की पवित्र भूमि पर जहां श्रद्धा होनी थी, वहां अब डर का पहरा है-डर गाड़ी खड़ी करने का, डर नियम न जानने का और सबसे बड़ा डर उस सिस्टम का, जो श्रद्धालु के जेब को शिकार समझ बैठा है।

राम नाम सत्य है की जगह अब अयोध्या की गलियों में नई ध्वनि गूंज रही है—2000 चालान निश्चित है! आश्चर्य नहीं कि जिस शहर को योगी जी ने स्मार्ट बनाना चाहा, वहां के नगर निगम ने पहले चालान प्रिंटर स्मार्ट बनाया, फिर हर टायर पर उसकी छपाई शुरू कर दी। श्रद्धालु आते हैं रामलला के दर्शन करने, लेकिन पहले दर्शन होते हैं फ़एमएस कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के लॉक सिस्टम के।

शहर में न कहीं बोर्ड, न कहीं चेतावनी, लेकिन वसूली में कोई चूक नहीं। लगता है मानो भगवान के नाम पर जुटी भीड़ को कुछ लोगों ने 'कमाई का साधन' मान लिया हो।

निजी फर्म या परम लूटतंत्र?

गोंडा की एक फर्म को मिली जिम्मेदारी पर किसी को एतराज नहीं होता अगर नियम साफ होते, लेकिन जब न बोर्ड हैं, न पारदर्शिता, तब यह सवाल उठता है—क्या यह व्यवस्था है या व्यवस्थित दोहन?

योगी सरकार की धूमिल होती छवि

बाबा विश्वनाथ की तरह योगी जी ने अयोध्या को भी एक चमकती आस्था नगरी बनाने का सपना देखा, लेकिन नगर निगम के कुछ अफसरों ने इस सपने में स्याही उड़ेल दी है।

यह सिर्फ वसूली नहीं, यह आस्था का अपमान है।

ये घटनाएं मोदी-योगी सरकार की उस ईमानदार छवि को आघात पहुंचा रही हैं, जिसे बनाने में वर्षों की तपस्या लगी।

नगर निगम चाहे जितनी चालान पर्चियां छाप ले, जनता के मन में छपी नाराजगी को मिटा नहीं सकता। अगर टायर लॉक करने में इतना हुनर है, तो अयोध्या की सड़कों के गड्ढे कब भरोगे साहब?

शायद नगर निगम को लगता है कि श्रद्धालु दर्शन के साथ-साथ 'दंड' लेने भी आते हैं।

योगी जी की प्रशासनिक साख को बचाने के लिए इस व्यवस्था पर तत्काल समीक्षा हो। श्रद्धालुओं के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश, पार्किंग सूचना बोर्ड, और सबसे ज़रूरी—एक मानवीय दृष्टिकोण।

30 जून तक स्कूल बंद करने के लिए शिक्षकों ने लगाई ताकत

» शिक्षक संगठनों के बाद कई एमएलसी एवं विधायकों ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र

» बेसिक शिक्षा परिषद ने अभी बच्चों के लिए जारी की है छुट्टी और शिक्षकों को जाना होगा स्कूल

राजबहादुर सिंह चन्देल
सभापति
प्रश्न एवं संदर्भ समिति

निर्दलीय समूह कार्यालय
विधान परिषद सचिवालय
फोन नं. 0522-2239790
आवास- 122 कृष्णानगर, उन्नाव
फोन नं. 0515-3581935
मो0 नं. 9415905949
दिनांक-15.06.2025

माननीय मुख्यमंत्री,
उत्तर प्रदेश सरकार।

मान्यवर,

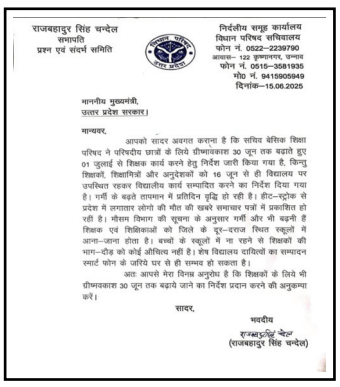

आपको सादर अवगत कराना है कि सचिव बेसिक शिक्षा परिषद ने परिषदीय छात्रों के लिये ग्रीष्मावकाश 30 जून तक बढ़ाते हुए 01 जुलाई से शिक्षक कार्य करने हेतु निर्देश जारी किया गया है, किन्तु शिक्षकों, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को 16 जून से ही विद्यालय पर उपस्थित रहकर विद्यालीय कार्य सम्पादित करने का निर्देश दिया गया है। गर्मी के बढ़ते तापमान में प्रतिदिन वृद्धि हो रही है। हीट-स्ट्रोक से प्रदेश में लगातार लोगो की मौत की खबरे समाचार पत्रों में प्रकाशित हो रहीं है। मौसम विभाग की सूचना के अनुसार गर्मी और भी बढ़नी हैं शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को जिले के दूर-दराज स्थित स्कूलों में आना-जाना होता है। बच्चों के स्कूलों में ना रहने से शिक्षकों की भाग-दौड़ को कोई औचित्य नहीं है। शेष विद्यालय दायित्वों का सम्पादन स्मार्ट फोन के जरिये घर से ही सम्भव हो सकता है।

अतः आपसे मेरा विनम्र अनुरोध है कि शिक्षकों के लिये भी ग्रीष्मवकाश 30 जून तक बढ़ाये जाने का निर्देश प्रदान करने की अनुकम्पा करें।

सादर,

भवदीय
(राजबहादुर सिंह चन्देल)

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर/लखनऊ। परिषदीय विद्यालयों में बच्चों की छुट्टी 30 जून तक बढ़ा दी गई है जबकि शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों एवं अन्य कर्मचारियों को 16 जून से स्कूल पहुंचना है। बेसिक शिक्षा परिषद के इस आदेश को लेकर जहां एक ओर शिक्षक संगठनों में नाराजगी है वहीं दूसरी ओर कई एमएलसी, विधायक भी नाराजगी व्यक्त कर रहे हैं। उन्होंने भीषण गर्मी को देखते हुए परिषदीय विद्यालयों को 30 जून तक पूरी तरह बंद रखने की मांग की है। एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह, विधायक बाबूलाल तिवारी, सभापति राज बहादुर सिंह चंदेल, विधायक आशुतोष सिन्हा ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर शिक्षकों के लिए भी गर्मी की छुट्टियां 30 जून तक बढ़ाने की मांग की है। एमएलसी ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी के कारण अब तक हीट स्ट्रोक से आठ लोगों की मृत्यु हो चुकी है और मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में तापमान में और वृद्धि की संभावना जताई है। ऐसे में शिक्षकों को दूर-दराज के विद्यालयों तक जाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा जबकि छात्र विद्यालय नहीं आ रहे हैं। मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए शिक्षकों को भी 30 जून तक ग्रीष्मावकाश देने का आदेश जारी किया जाए। विधायक आशुतोष सिन्हा ने लिखा है कि वर्तमान में प्रदेश के कई जिलों में तापमान 40 से 50 डिग्री सेल्सियस है। इसका विपरीत असर शिक्षकों के स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है। ऐसे में बिना किसी काम के शिक्षकों को स्कूल बुलाने का निर्णय अव्यवहारिक है। शिक्षकों के लिए भी ग्रीष्मकालीन अवकाश 30 जून तक बढ़ाया जाए। राजबहदुर सिंह चंदेल ने अपने पत्र में लिखा है कि हीट स्ट्रोक से प्रदेश में लगातार लोगो की मौत की खबरें समाचार पत्रों में प्रकाशित हो रहीं हैं। मौसम विभाग की सूचना के अनुसार गर्मी और भी बढ़नी हैं शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को जिले के दूर-दराज स्थित स्कूलों में आना-जाना होता है। बच्चों के स्कूलों में न रहने से शिक्षकों की भाग-दौड़ का कोई औचित्य नहीं है।

प्रदेश में बहुत से विद्यालय एकल शिक्षक वाले भी हैं। ऐसे में शिक्षकों की सुरक्षा भी एक प्रमुख बिंदु है। इसे देखते हुए विद्यालय शिक्षकों के लिए भी एक जुलाई से ही खोले जाएं।

मानव संपदा आइडी अपडेट करना भूला बेसिक शिक्षा विभाग

» वेतन का संकट खड़ा होने की आशंका गहराई

अंतिम वेतन प्रमाणपत्र भी नहीं हुए अपडेट, वेतन पर संकट की आशंका

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ/कानपुर। स्थानांतरित होकर दूसरे जिलों में पहुंचे परिषदीय शिक्षकों के सामने वेतन का संकट खड़ा होने की आशंका गहरा गई है।

बेसिक शिक्षा विभाग ने शिक्षकों के तबादले तो कर दिए परंतु उनकी मानव संपदा आइडी और अंतिम वेतन प्रमाणपत्र (एलपीसी) को संबंधित जिलों में अपडेट नहीं किया गया है। ऐसे में शिक्षकों का वेतन जारी नहीं हो पाएगा। इस मामले में बीटीसी शिक्षक संघ ने निदेशक को पत्र भेजा है। पत्र में कहा गया है कि शिक्षकों को अपने जिलों से कार्यमुक्त हुए दो सप्ताह बीत चुके हैं लेकिन नए जिलों में अभी तक उनकी आइडी और एलपीसी अपडेट नहीं हुई है। 16 जून से स्कूल खुलने जा रहे हैं और 21 जून को शिक्षकों का वेतन बन जाएगा। प्रमाणपत्र अपडेट न होने से संबंधित शिक्षकों के सामने ऑनलाइन हाजिरी, छुट्टी और वेतन को लेकर समस्याएं होंगी।

शिक्षकों को इस माह वेतन तो मिल ही नहीं पाएगा। बीटीसी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने निदेशक से अपील की है कि आइडी और एलपीसी से जुड़ी कार्यवाही जल्द पूरी कराने के लिए सभी जनपदों के बीएसए को निर्देश जारी किए जाएं। इस संबंध में बेसिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल ने परिषद सचिव को तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दे दिए हैं।

परिजनों में कोहराम

गोरखपुर के सरयू नदी में तीन युवकों की डूबकर मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

देवरिया। देवरिया जिले बरहज में सरयू नदी में स्नान करने गए सगे भाईयों समेत तीन युवकों की डूबने से सोमवार की सुबह मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक तीनों युवक गोरखपुर जनपद के रहने वाले थे।

सोमवार को देवरिया जिले में एक दर्दनाक हादसा हुआ है, जिले के बरहज में सरयू नदी में नदी में स्नान करते समय तीन युवकों की डूबने से मौत हो गई। एक युवक को बचा लिया गया। जानकारी के मुताबिक गोरखपुर महानगर के मोहद्दीपुर के रहने वाले प्रदीप, रोहित, और बंटी अपने दोस्त राजन के साथ बरहज के पटेल नगर में नाना तूफानी बांसफोर के घर आए थे।

सुबह करीब सात बजे चारों युवक सरयू नदी में नहाने चले गए। नहाने के दौरान चारों गहरे पानी में चले गए। राजन किसी तरह तैरकर बाहर निकल आया। लेकिन प्रदीप, रोहित और बंटी डूब गए। राजन के शोर मचाने पर स्थानीय नाविक और पुलिस मौके पर पहुंचे। मौके पर हड़कंप मच गया, करीब आधे घंटे की खोजबीन के बाद नाविकों ने तीनों युवकों को बाहर निकाला। पुलिस ने उन्हें तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। तीनों युवकों के डूबने की खबर सुनते ही मृतकों के घर में कोहराम मच गया।

“घबराएं नहीं, ईरान में सुरक्षित जगहों पर पहुंचाए जा रहे हैं भारतीय स्टूडेंट”

ईरान में भारतीय स्टूडेंट्स की सुरक्षा पर विदेश मंत्रालय ने जारी किया बयान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष के बाद मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच विदेश मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा कि भारत दोनों देशों में अपने नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी एक बयान में, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पुष्टि की कि तेहरान में भारतीय दूतावास सुरक्षा स्थिति पर लगातार नज़र रख रहा है और ईरान में भारतीय छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उनसे संपर्क कर रहा है। बयान में यह भी कहा गया कि कुछ मामलों में, छात्रों को दूतावास की सुविधा से ईरान के भीतर सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा रहा है। इसके साथ ही कहा कि अन्य विकल्पों पर भी विचार किया जा रहा है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि दूतावास भारतीय नागरिकों के कल्याण और सुरक्षा के संबंध में ईरान भर में सामुदायिक नेताओं के संपर्क में है। विदेश मंत्रालय का यह बयान जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा विदेश मंत्री एस जयशंकर से ईरान में फंसे केंद्र शासित प्रदेश के छात्रों के संबंध में बात करने के कुछ घंटों बाद आया है। ईरान में 1,500 से अधिक भारतीय छात्र फंसे हुए हैं, जिनमें से अधिकतर जम्मू-कश्मीर के हैं।

अभिभावकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एस जयशंकर से हस्तक्षेप करने और भारतीय छात्रों की सुरक्षित वापसी की सुविधा प्रदान करने की अपील की है। ईरान के तेहरान,

शिराज और कोम शहरों में फंसे अधिकतर छात्र व्यावसायिक पाठ्यक्रम, मुख्य रूप से एमबीबीएस कर रहे हैं। इससे पहले, ईरान में भारतीय दूतावास ने सभी भारतीय नागरिकों और भारतीय मूल के व्यक्तियों को सतर्क रहने को कहा था।

इसने एक टेलीग्राम लिंक भी प्रदान किया और भारतीय नागरिकों से मिशन से स्थिति पर अपडेट प्राप्त करने के लिए इसमें शामिल होने के लिए कहा। इजरायल ने शुक्रवार की सुबह एक आश्चर्यजनक हमले के साथ ऑपरेशन राइजिंग लॉयन शुरू किया, जिसने ईरान के सैन्य कमांड के शीर्ष सोपान को नष्ट कर दिया और इसके परमाणु स्थलों को क्षतिग्रस्त कर दिया। ईरान ने हवाई हमलों के साथ जवाबी कार्रवाई की, दोनों देशों ने पिछले तीन दिनों में एक-दूसरे पर सैकड़ों मिसाइलें दागीं। जबकि इज़राइल ने कहा है कि आने वाले दिनों में अभियान जारी रहेगा। ईरान ने जवाबी कार्रवाई में “नरक के द्वार खोलने” की कसम खाई है। इसके अतिरिक्त, ईरान और इज़राइल दोनों में भारतीय मिशनों द्वारा कई हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। इज़राइल में भारतीय दूतावास ने कहा कि यह स्थानीय अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है और घटनाक्रम की बारीकी से निगरानी कर रहा है। उम्मीद है कि स्थिति के सामने आने पर विदेश मंत्रालय सलाह जारी करना जारी रखेगा। इस बीच, क्षेत्र में भारतीय नागरिकों से सतर्क रहने, आधिकारिक मार्गदर्शन का पालन करने और बाहरी गतिविधियों को सीमित करने का आग्रह किया गया है। इज़राइल-ईरान के बीच संघर्ष ने न केवल वैश्विक कूटनीतिक चिंताओं को बढ़ाया, बल्कि भारतीयों सहित हजारों विदेशी नागरिकों के बीच चिंता भी पैदा की है, जो ईरान में रह रहे हैं और काम कर रहे हैं।

धमाकों के बीच ईरान में फंसे सैकड़ों भारतीय छात्र कर रहे वापसी की गुहार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

तेहरान। इजरायल और ईरान के बीच चल रहे हमलों के बीच ईरान में सैकड़ों भारतीय छात्रों ने मोदी सरकार से उन्हें तुरंत वहां से निकालने का आग्रह किया है। जम्मू-कश्मीर के कई छात्र ईरान भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे हैं, जिनमें शाहिद बेहेश्टी विश्वविद्यालय और ईरान चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय शामिल हैं। वहीं तेहरान में भारतीय दूतावास ने सभी भारतीय नागरिकों से घर के अंदर रहने और आधिकारिक चैनलों पर नजर रखने को कहा है। गौर करें तो ईरान भर के विश्वविद्यालयों में कई छात्र नामांकित हैं। इम्तिसल मोहिदीन ने कहा, शुक्रवार को सुबह 2:30 बजे मैं ज़ोरदार धमाकों की आवाज सुनकर उठा और बेसमेंट की ओर भागा। हम तब से सोए नहीं हैं। छात्र छात्रावासों और अपार्टमेंट से कुछ किलोमीटर की दूरी पर ही विस्फोटों की खबर आने के बाद वहां भय का वातावरण है। तेहरान में शाहिद बेहेश्टी विश्वविद्यालय में एमबीबीएस के तीसरे वर्ष के 22 वर्षीय छात्र इम्तिसाल ने कहा कि अकेले उनके विश्वविद्यालय में 350 से अधिक भारतीय छात्र नामांकित हैं।

धमाका : चार महिलाओं के उड़े चीथड़े

अचानक विस्फोट से मलबे में तब्दील हुई पटाखा फैक्टरी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मुरादाबाद। अमरोहा के रजबपुर इलाके में स्थित पटाखा फैक्टरी में अचानक विस्फोट हो गया। इस हादसे में चार महिला श्रमिकों की मौत हो गई। छह से अधिक घायलों को अस्पताल भेजा गया है। डीएम ने घटना के जांच के आदेश दिए हैं।

अमरोहा जिले के रजबपुर थाना क्षेत्र के अतरासी गांव के जंगल में स्थित पटाखा फैक्टरी में सोमवार को अचानक तेज धमाका हो गया। विस्फोट इतना जबरदस्त था कि फैक्टरी की टीनशेड पूरी तरह ध्वस्त हो गई। हादसे में चार महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पुलिस और दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर राहत-बचाव कार्य शुरू किया। मलबे में दबे मजदूरों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के गांवों में अफरा-तफरी मच गई।

ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बचाव में मदद की। मृतकों की अभी तक शिनाख्त नहीं हो सकी है। शव बुरी तरह से झुलस गए हैं। कुछ के चीथड़े उड़ गए। घटना के बाद से गांव में दहशत का माहौल है। प्रशासन ने हादसे की गंभीरता को देखते हुए जांच के लिए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन कर दिया है।

फैक्टरी मालिक के लाइसेंस की जांच

शुरू : जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। डीएम ने कहा कि पूरे मामले की गहन जांच कराई जा रही है। समिति को सभी पहलुओं की पड़ताल करने के निर्देश दिए गए हैं। फैक्टरी मालिक के लाइसेंस और उससे जुड़े दस्तावेजों की जांच की जा रही है।

डीएम ने बताया कि मौके पर चार महिलाओं की मौत हुई है। गंभीर रूप से घायलों को अस्पताल भेजा गया है। पूरे प्रकरण की जांच के लिए समिति का गठन कर दिया गया है। कारणों का पता लगाया जा रहा है। फैक्टरी मालिक के लाइसेंस की जांच करवाई जा रही है। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार फैक्टरी हापुड़ निवासी व्यक्ति की बताई जा रही है। धमाका इतना तेज था कि फैक्टरी धराशायी हो गई। टीनशेड के टुकड़े कई मीटर दूर जाकर गिरे। मलबे के नीचे कई मजदूर दब गए। घायलों को तुरंत अमरोहा जिला अस्पताल में भतीज कराया गया

फिलहाल पुलिस, फॉरेंसिक टीम और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और हर पहलू से जांच की जा रही है। मौके से विस्फोटकों के अवशेष एकत्र किए जा रहे हैं। फैक्टरी में काम करने वालों की सूची तैयार की जा रही है ताकि मृतकों और घायलों की शिनाख्त हो सके।

जमीनों की फर्जी रजिस्ट्री कराने वाला ठग गिरफ्तार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कायज़्बल (एसटीएफ) ने लखनऊ कमिश्नरेट (पुलिस आयुक्तालय) के मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में आकर्षक और लुभावनी पेशकश कर फर्जी तरीके से जमीनों की रजिस्ट्री कराकर ठगने के एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। एसटीएफ ने सोमवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी।

बयान के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रमोद कुमार उपाध्याय के रूप में हुई है, जो मूल रूप से बलिया जिले के बांसडीह थाना क्षेत्र का निवासी है। मौजूदा समय में उसका निवास लखनऊ के पीजीआई थाना क्षेत्र में है।

एसटीएफ के अनुसार, उपाध्याय की गिरफ्तारी कान्हा उपवन के पास रविवार की शाम को की गई। प्रमोद कुमार उपाध्याय के बारे में पुलिस को तमाम शिकायतें मिली थी। वह ‘इंफ्रा विजन प्राइवेट लिमिटेड’ कंपनी द्वारा आकर्षक एवं लुभावनी पेशकश कर फर्जी तरीके से जमीनों की रजिस्ट्री कराकर ठगी करता था। उसके खिलाफ लगभग डेढ़ दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं।

एसटीएफ ने पूछताछ के हवाले से बताया कि आरोपी प्रमोद उपाध्याय के बड़े भाई विनोद कुमार उपाध्याय एवं उसके पिता ने इंफ्रा विजन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की स्थापना की। वह

भी कंपनी का अधिकृत व्यक्ति था और जमीनों की खरीद फरोख्त करता था। एसटीएफ के अनुसार, इस बीच इन लोगों ने भोले भाले व्यक्तियों को लक्ष्य किया तथा उन्हें आकर्षक लुभावनी पेशकश करते हुए भूखंड खरीदने के लिए प्रेरित करते रहे। इसकी आड़ में उन्होंने धोखाधड़ी और ठगी शुरू कर दी।

एसटीएफ ने बताया कि धोखाधड़ी उजागर होने के बाद इन लोगों ने आश्वासन देकर पीड़ितों को बरगलाया। मोहनलालगंज पुलिस में आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी, आपराधिक धमकी समेत विभिन्न आरोपों में करीब डेढ़ दर्जन मामले दर्ज हैं।बयान के अनुसार, स्थानीय पुलिस मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई कर रही है।